एक दुल्हन का चुना जाना

यहां पर बहुत सारे बीमार लोग है। और मैं सबको एक साथ नहीं एकदम नही ले सकता। लेकिन, सुनना।

2 मैं निश्चय ही आज रात्री, अत्यन्त प्रसन्न हूं, फिर से उपस्थित होकर, इस सुंदर भवन में, और इस अद्भुत झुण्ड के बढिया लोगो के बीच में। और हम कुछ मिनटों पहले बाहर निकल कर आ रहे थे, तो लोग वहां बाहर सड़क पर खड़े थे, उन्होंने कहा कि वे अंदर नहीं जा सके। और मैंने कहा, "अच्छा, हो सकता है मैं आपके लिए थोड़े स्थान का प्रबन्ध कर सकू।" और उन्होंने उन्हें अन्दर नहीं आने दिया होगा। इसलिए मुझे खेद है कि हमारे पास उनके लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। उन्होंने बताया कि तहखाना भी भरा हुआ है। और इसके लिए हमें खेद है। परन्तु हम यहां आकर प्रसन्न हैं, और इन सेवादारो, व्यवसाईयों के अच्छे झुण्ड को देखकर प्रसन्न हैं, और आप सब राष्ट्र के विभिन्न भागों के प्रतिनिधियों।

3 आज प्रात: नाश्ते पर मुझे एक अच्छा विशेषधिकार मिला था, इतने अच्छे लोगो के सामने बोलना, मैं निश्चय ही आशा करता हूं कि सम्मान की बात है। और मैं इस विषय पर था कि, *भूसी गेहूं के संग वारिस नहीं।* मैं इसे समाप्त नहीं कर सका। और यह उस—उस भाई का दोष नहीं था। उसने इस बात के लिए प्रबंधको के साथ प्रयत्न किया कि हम थोड़ी और देर के लिए रुक सके, परन्तु वह इसके लिए तैयार नहीं हुए। और भाई देमास, मैं निश्चय ही इसकी सराहना करता हूं। यह बहुत, बहुत ही बढिया था। मैं निश्चित तौर पर आप में से हर एक का धन्यवादित हूं। लेकिन उन्होंने हमें इसे पूरा नहीं करने दिया। इसलिए हमें बस बंद करना पड़ा था—था। मैं इसे किसी और समय में लेकर पूरा करूंगा, *भूसी गेहूं के साथ वारिस नहीं होगी।* क्या आप इसे समझ गए, कि आप ही वह है? मैं आशा करता हूं कि समझने के लिए यह काफी था।

4 आज रात्री मैं जानता हूं, कि एक सूची कार्य और भी है, इसलिए मैं आपको अधिक समय तक यहां नहीं रोके रहना चाहता हूं कि आप इससे चूक जाये। क्योंकि, मैं सोचता हूं कि वह निश्चय ही पेंटीकोस्टल विश्वासी लोगों के लिए—के लिए एक धरोहर है, वह सूची कार्य जो उस रात्री हमने

देखा था। इतने अच्छे लोगो का झुंड, और इतने सीधे साफ उत्तर। उसे देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा। और मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु आज रात्री भी इसे आशीषित करेगा। और जो भी उसे देखे, काश वह विश्वास करें। यही मेरी सच्ची प्रार्थना होगी।

5 और बहुत सारी सुचनाए पत्रों द्वारा और टेलिफोन द्वारा आ रही है, कि बहुत से लोग इस सभा में चंगे हुए है। मैं इस बात से बहुत ही प्रसन्न हुआ। मेरी सेवकाई कुछ इस प्रकार की है कि मैं बहुत से बीमारो से मिलूं।

6 मैं—मैं यहां प्रचार करने के लिए आया हूं। आप जानते हैं, कि मैं प्रचारक नहीं हूं। लेकिन मैं, अपनी इस केंटकी व्याकरण के साथ, "हिज, हेंट" और—और ऐसे ही और शब्द, इसलिए मैं—मैं यह नहीं कह सकता जिसको कि हम आधुनिक प्रचारक कहते हैं। मैं—मैं उस स्थान को नहीं ले सकता, क्योंकि मेरे—मेरे पास शिक्षा नहीं है।

7 परन्तु मुझे अच्छा लगता है कि मैं दूसरो को वह बताऊं जो मैं जानता हूं, या मैं यह महसूस करता हूं जो मैं इस विषय में जानता हूं, दूसरे भी जाने, मैंने किस प्रकार यह सीखा, कि वह मेरे लिए कैसा है। वह मेरा सारा जीवन है, वह सब जो मैं होने की आशा कर सकता हूं, और जो मैं सोच सकता हूं मेरे लिए उससे अधिक है, जब मैं लडकपन में था, तो शायद ही मुश्किल से इस संसार में मेरा कोई मित्र रहा था। परन्तु निश्चय ही आज मैं बहुत सारे मित्रों के लिए धन्यवादित हूं।

8 मैं... [एक भाई कहता है, "वहां पीछे सुनने में थोड़ी परेशानी हो रही है, भाई ब्रन्हम। और नजदीक आ जाओ।"—सम्पा।] ओह, मुझे खेद है। मैं—मैं एक प्रकार से यहाँ ध्यान से बाहर हूँ, कहीं तो, उसने कहा।

9 अब, सीधे ही सभा को आरंभ करने के लिए, आईए हम पवित्र वचन में से पढ़ने के लिए कुछ निकाले। मैं—मैं हमेशा बाईबल पढ़ना पसंद करता हूं, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है। मैं यह विश्वास करता हूं। और मैं इसका यह विश्वास करता हूं कि यह परमेश्वर का अचूक वचन है। और अब मैंने यहां पर कुछ हवाले लिखे हुए हैं, और कुछ टिप्पणियाँ लिखी है जिनको कि मैं अगले कुछ क्षणों में लेना चाहूंगा, हो सकता है पैंतालीस मिनटो के लिए।

10 और तब समय में समाप्त करके हम उस अच्छे सूची क्रम को आज रात उसे फिर से देखेंगे। और मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर आपको इस सारे

समय निरंतर आशीष देगा। और मैं जानता हूं कि आपको क्या करना है। और मुझे भी आज रात गाड़ी चला कर ट्यूसान पहुंचना है, देखा, इसलिए आप कल्पना कर सकते हैं। कि यह यात्रा दस घंटे की है।

11 और मुझे विदेश जाना है, और मुझे प्रात: सरकारी तौर पीले बुखार का टीका लगवाना है। ताकि मैं—मैं वहां जा सकू। मैंने इसे उस दिन टाल दिया था, और अब की बार फिर से वह "ना" का अब उत्तर नहीं सुनेगे। और मुझे टिटनेस और टाईफड के लिए एक और लेना है और मेरे बूस्टर के टिके।

12 इसलिए, इस सुअवसर के लिए मैं धन्यवादित हूं, और—और होने वाली बेदारी सभा से पहले कि यह सभा बहुत ही अच्छी है। निश्चय ही मेरा ह्रदय इससे रोमांचित हुआ है। आप बहुत अच्छे लोग है। और मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर आपको आशीष देगा।

13 और जब वह बड़ा समय जब कभी... वह बड़ा दैत्य जिसने अलास्का को कुछ दिनों पहले वहां पर पड़ा हुआ था, और आज प्रात: भी उसने अपनी पूंछ को फिर से वाशिंगटन के नीचे की ओर हिलाया। वह इस ओर भी सरलता से बढ़ सकता है। और यदि पवित्र आत्मा ने मुझे बताया तो, निश्चय...

14 आप में से कुछ लोग... मुझसे पूछ रहा थे कि, "भाई ब्रन्हम, क्या यह यहां भी हो सकता है?" इस समय, मैं यह नहीं जानता हूं। मैं अभी नहीं जानता, और जब तक मैं जान नहीं जाता। यही सत्य है।

15 मैंने सदैव आपके साथ ईमानदार रहना चाहा है। मैं कोई पूर्वकल्पना करने नहीं जा रहा हूं, कोई कल्पना, या कुछ ऐसा, जिसका कि मैं विश्वास करता हूं, या ऐसे ही कुछ। जब मैं आपको बताऊं, ऐसा होने जा रहा है। तो देखिए, उसे पहले मुझे बताना है, और तब मैं आपको बताऊंगा। मैं—मैं जानता हूं कि सारा संसार अचल अवस्था में है। हम अंत समय में हैं। परन्तु एक बात का मैंने यत्न किया है...

16 भाई शेकरियन आज प्रात: कह रहे थे, कि किस प्रकार से वह प्रार्थना पंक्ती से होते हुए जाया करते थे, और नीचे की ओर चले जाते थे और इससे पहले लोग ऊपर आए, और उन से वह प्रार्थना पत्र ले लेते थे और उन्हें देखते थे, और देखते थे कि जो—जो उन कार्डों पर लिखा है वही मैंने उनको बताया है। वह अपने प्रार्थना कार्ड पर हर तरह की बातें लिखते

हैं, आप जानते हैं, और वह देखना चाहते थे कि ये सही है या नही। उन्होंने कहा, उन सौ कार्डों में जो उन्होंने जांचे थे, उनमे से एक भी गलत नहीं निकला। उसमें एक भी गलत नहीं होगा, देखिए, क्यों, क्योंकि जब—जब तक वह परमेश्वर की ओर से है। यदि कभी मैं वहां अपने को दिखाने लगू, तो यह प्रारम्भ से ही गलत होगा।

17 बहुत समय नही हुआ कि एक छोटी लड़की का पिता, जो इस समय बैठे हुए सुन रहे है, मेरे पास आए। उसने एक स्वप्न देखा था। वह बोली, "भाई ब्रन्हम, मैंने एक स्वप्न देखा है, इसका क्या अर्थ है? "

18 मैंने कहा, "बहन, मुझे नहीं मालूम। मुझे इसे मालूम करना होगा, यदि प्रभु मुझे बता दे।" इसलिए मैंने जाकर और प्रभु से पूछने की कोशिश की, और उसने मुझे कभी नहीं बताया।

19 इसलिए वह छोटी लड़की फिर मेरे पास आई। और बोली कि, "तो, मेरे स्वप्न का क्या अर्थ है? "

20 मैंने कहा, "प्रिय, यहां आओ, बैठो।" मैंने कहा, "तुम्हारे पिता और माता मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं। समझे? और वे लोग अवकाश प्राप्त करके कनाडा से आए हैं, और मेरे साथ यहां परदेसी के समान हैं। जो मैं कहने का प्रयत्न करता हूं, उन्होंने इसका विश्वास किया हैं। और मैंने कभी भी किसी से जान बुझकर अपने जीवन में गलत बात नहीं कही। यदि मैं... मैं सोचता हूं मैं जानता हूं कि स्वप्न का क्या अर्थ है। परन्तु जब तक वह स्वप्न मैं ना देख लू, और जब तब वह मुझे ना बताये कि इसका क्या अर्थ है, मैं आपको नहीं बता सकता। देखिए, यदि मैं ऐसे ही कुछ भी बात बना दू, तो हो सकता है कभी समय आए कि जीवन और मृत्यु के बीच में आपको मेरी आवश्यकता पड़े, और तब आप यह नहीं जान पायेंगे कि आप मेरा विश्वास करे या नहीं।"

21 यदि मैं आपसे कोई भी बात प्रभु के नाम से कहूं, तब यह सच में ही वही है। जिसने मुझे बताया है। और अब तक, इन वर्षों में, सारी दुनिया में, और संसार के हर कोने में, यह कभी भी एक बार भी गलत नहीं हुआ। क्योंकि... और, अब, आप जानते हैं मनुष्य इतना अचूक नहीं हो सकता। इसे करने के लिए परमेश्वर का आत्मा ही चाहिए।

22 और अब मेरे पास एक संदेश है जिसके लिए मैं उत्तरदायी हूं। और बहुत सी बार लोगो के बीच में मेरे विषय में विचार किया गया, तो, हो

सकता है कोई तो जो कि कुछ समय बैठकर एक मिनट भी नहीं सोचता, यह कि मैं एक—एक, ओह, कितना भयानक व्यक्ति हूं, कि मैं लोगों को पसंद नहीं करता, और सदा उनकी आलोचना करता हूं। और यह ऐसा नहीं है। बात यह नहीं है। मैं लोगों से प्रेम करता हूं। परन्तु, आप जानते हैं, कि प्रेम सुधारात्मक होता है।

23 यदि आपका छोटा लड़का सड़क पर बैठा हुआ हो, और आपने कहे, "प्रिय, छोटू मैं नहीं चाहता कि तुम वहां बाहर रहो, परन्तु... " और कारें उसके पास से हॉर्न देती हुई निकल जाए, और आप उसे अंदर ले आए। वह फिर बाहर भाग जाए। आपको उसे क्यों ठीक करना चाहिए। यदि आप उससे प्रेम करते हैं, तो आप करेंगे। आपको करना है।

24 यदि आप किसी व्यक्ति को झरने की ओर बहती नदी में नाव में तैरते देखे, और आप जान जाए कि यह नाव जब झरने पर पहुंचेगी, तो डूब जायेगी, तो क्या आप यह कहेंगे, "जॉन, तुम्हे कुछ देर के लिए यह सोचना चाहिए, हो सकता है कि तुम यह ना कर पाओ"? यदि मुझे मालूम हो कि वह यह नहीं करेगा, तो मैं उसको एक झटके से नाव से बाहर खींच लुंगा, यदि मैं कर सकू तो, क्योंकि यह प्रेम है जो यह करता है।

25 और अब, इन संदेशों में जो मैं बोलता हूं, मैंने कभी किसी मत को लाने का प्रयत्न नहीं किया, या इस प्रकार का कुछ और। यह मैं—मैं अपनी कलीसिया में करता हूं। परन्तु यहाँ बाहर इन पुरुषों और स्त्रियों के बीच में जो कि विभिन्न संगठनो और विभिन्न मतो से हैं, मैं हल्की तरह से लेने की कोशिश करता हूं, और व्याख्या करता हूं; परन्तु परमेश्वर की आत्मा के द्वारा जन्म पाए लोगो के लिए काफी हैं, मैं विश्वास करता हूं कि आप समझ गए होंगे मेरा क्या अर्थ है, मसीही लोगों के बीच में, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, और जो भी है।

26 अब, आज रात, मैं उत्पत्ती का 24वां अध्याय निकालना चाहता हूं। और मैं 12वे पद से पढ़ना चाहता हूं... उत्पत्ति के 24वें अध्याय से।

सो वह कहने लगा, हे मेरे स्वामी... अब्राहम के परमेश्वर यहोवा, मैं तुझ से प्रार्थना करता हूं, आज मेरे कार्य को सिद्ध कर, और मेरे स्वामी अब्राहम पर करुणा कर।

देख, मैं जल के इस सोते के पास खड़ा हूं; और नगर के वासियों की बेटियां जल भरने के लिए निकली आती हैं:

सो ऐसा होने दे जिस कन्या से मैं कहूं, कि अपना घड़ा मेरी ओर झुका, मैं तुझ से निवेदन करता हूं, कि मैं पीऊं; और वह कहे, कि पी ले, पीछे मैं तेरे ऊंटों को भी पिलाऊंगी: सो वही हो जिसे तूने अपने दास इसहाक के लिये ठहराया हो; *और इसी रीति से* मैं जान लूंगा *कि तूने... मेरे स्वामी पर करुणा दिखाई है।*

27 और अब प्रकाशितवाक्य की पुस्तक। उत्पत्ती, बाईबल की पहली पुस्तक है। अब, बाईबल के अन्त में, मैं प्रकाशितवाक्य के 21वें अध्याय, और 9वे पद को पढ़ना चाहता हूं।

28 हम जानते हैं यहाँ यह उत्पत्ती का कौन सा वचन है... यदि आप चाहे तो आप पूरा अध्याय पढ़ सकते है। यह परमेश्वर है जो एलीएजेर को भेज रहा है। या, अब्राहम एलीएजेर को भेज रहा है, मुझे क्षमा करें, इसहाक के लिए एक दुल्हन चुनने के लिए। और वह सुंदर रिबका वहां आती है, और अभी अब्राहम के दास अब्राहम के—के दास एलीएजेर ने जो प्रार्थना की, उसका सिद्ध उत्तर है।

अब प्रकाशितवाक्य के 21वे अध्याय का 9वां पद।

और फिर जिन सात दूतों में से एक मेरे पास आया जिसके पास सात पिछली विपत्तियों से भरे हुए सात कटोरे थे, और मेरे साथ बातें करके कहा, इधर आ, और *आ मैं तुझे दुल्हन अर्थात मेमने की पत्नी दिखाऊंगा।*

29 अब आज रात मैं इसके लिए एक विषय लेना चाहता हूं: *एक दुल्हन का चुना जाना*। और और यदि मेरा भाई जो यहां रिकार्ड कर रहा है, चाहे तो यह वो टेप है जिसे आप लेकर और बाहर दे सकते हैं।

30 और अब, इसमें, ऐसा नहीं है कि मैं केवल इस उपस्थित सभा के लोगों से बोल कर रहा हूं, परन्तु यह टेप सारी दुनिया में जाते हैं। व्यवहारिक रूप से, ओह, बहुत सारी भाषाओं के लिए इसका अनुवाद का कार्य किया जाता है, यहां तक कि संसार भर के मूर्तिपूजक देशों के लिए भी। हम कलीसिया की मण्डली के द्वारा उन्हें मुफ्त भेजते हैं। और उनका अनुवाद किया गया है। और इन्होने अफ्रीका और भारत के जंगलों के लिए अनुवाद किया है, और पूरे संसार में, यह टेप जाते हैं।

अब, एक दुल्हन का चुना जाना!

31 जीवन की कई चीज़ों में हमें चुनाव दिया जाता है। जीवन जीने का तरीका भी अपने आप में एक चुनाव है। हमारे पास अपना रास्ता लेने के लिए अधिकार होता है, अपना मार्ग स्वयं चुनते है जिसे हम जीना चाहते हैं।

32 शिक्षा एक चुनाव है। हम चुन सकते हैं कि हम शिक्षित होना चाहते हैं, या हम शिक्षा नहीं ग्रहण करना चाहते हैं। यहां हमारे पास एक चुनाव होता है।

33 सही और गलत एक चुनाव है। प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक स्त्री, लड़के और लड़की, को चुनना होता है कि वह सही जीवन व्यतीत करेगा या सही जीवन व्यतीत नही करेगा। यह एक चुनाव है।

चुनाव एक बड़ी बात है।

34 आपका अनंत लक्ष्य एक चुनाव है। और हो सकता है, आज रात, आप में से कुछ लोग उस—उस चुनाव करे कि, आप अपनी अनंतता कहाँ बिताएंगे, आज रात इससे पहले यह सभा समाप्त हो। एक समय आएगा, कि, यदि आप बहुत बार परमेश्वर को ठुकरा देते है, तब एक बार ऐसा होगा कि आप उसे अंतिम बार ठुकरा देंगे। अनुग्रह और न्याय के बीच में एक रेखा होती है। और किसी पुरुष या स्त्री, लड़के या लड़की के लिए यह एक भयानक बात है, कि वह इस रेखा को पार करे, क्योंकि यदि आप अन्तिम उस रेखा को पार कर जाए तो फिर वापसी नहीं है। इसलिए, हो सकता है कि यही समय है कि बहुत से लोग अपना—अपना निर्णय ले, कि उन्हें अपनी ना समाप्त होने वाली अनंतता कहां बिताना है।

35 हमारे जीवन में एक और चुनाव है, जो कि, एक जीवन साथी का है। एक नवयुवक या नवयुवती, जो अपने जीवन में कदम रख रहे है, उन्हें अधिकार होता—होता है कि अपना चुनाव करे। एक नवयुवक चुनता है। नवयुवती को अधिकार है उसे ग्रहण करे या ठुकरा दे। परन्तु तब भी दोनों ओर चुनाव है। पुरुष और स्त्री दोनों को, उन्हें अधिकार है कि चुनाव करे।

साथ ही, मसीही होने के नाते आपके पास भी चुनाव है।

36 यहां अमेरिका में चुन सकते है, कि यहाँ तक, आप किसी भी कलीसिया में जा सकते हैं। यह आपका अपना अमरीकन विशेषधिकार है, कि आप किसी भी कलीसिया को चुने जिससे कि आप अपना संबंध रखना चाहे। यह एक चुनाव है। आपको उनमें से किसी के पास जाने की ज़रूरत नहीं

है, यदि आप नहीं जाना चाहते। परन्तु यदि आप मैथोडिस्ट से बैपटिस्ट या कैथोलिक से प्रोटेस्टेंट या किसी में भी बदलना चाहते है, या आदि–आदि, तो आपको कोई यह नहीं कह सकता या दबाव डाल सकता है कि आप अमूक कलीसिया में ही आए। यह हमारी—यह हमारी स्वतंत्रता है। यही हमारा प्रजातंत्र है। हर व्यक्ति अपने लिए चुनाव कर सकता है। धर्म की स्वतंत्रता है, और यह एक—एक बड़ी बात है। परमेश्वर हमारी सहायता करे कि यह ऐसा ही रहे जहां तक हो सकता है।

37 आपके पास भी एक चुनाव है। चाहे... जब आप इस कलीसिया को चुनते हैं, चाहे आप इस कलीसिया में है, आप चुनाव कर सकते है, आप चाहे ऐसी कलीसिया को चुनें जो आपका अनंत गन्तव्य स्थान तक मार्गदर्शन करेगी। आप एक ऐसी कलीसिया को चुन सकते हैं जिसका कि अपना धार्मिक मत निश्चित हो, आप उस धार्मिक मत के लिए सोच सकते हैं कि यही है जो आप चाहते हैं। या, दूसरे कलीसिया के पास उनके अपने धार्मिक मत है।

38 और एक ओर परमेश्वर का वचन है, आपके पास चुनाव है। आपको चुनाव करना ही है।

हमारे बीच में चुनाव का अलिखित नियम है।

39 मैं विश्वास करता हूं एक बार कार्मेल पर्वत पर एलिय्याह ही था, उस संकट की एक बड़ी घड़ी में, प्रदर्शन के पश्चात, जिसमें कि हम भी लगभग आ पहुंचे हैं। और शायद, आज रात यह आपके लिए भी हो, कार्मेल पर्वत के अनुभव की तरह हम भी अपना यह चुनाव करे। खुले तौर पर, मैं सोचता हूं अब यह समस्त संसार के लिए है। परन्तु बहुत ही जल्द एक समय होगा जब आपको चुनाव करना ही होगा।

40 और यहाँ आप जो संप्रदायिक कलीसियाओ के व्यक्ति है, आप इसका विश्वास किजिए, कि जब आप चुनाव करने जा रहे हैं तो वह घड़ी आपके ऊपर भी है। या तो आप विश्व परिषद में जा रहे हैं, या तो आप अब एक संप्रदाय नहीं होंगे। आप यह करना ही है, और ऐसा चुनाव जल्द ही आ रहा है।

41 और अंतिम घड़ी तक प्रतिक्षा करना भी एक जोखिम बात है, क्योंकि आप किसी भी चीज को ले सकते हैं जिससे कि आप कभी भी नहीं छूट सकेंगे। आप जानते है, कि एक समय आता है जब आपको चेतावनी दी

जा सकती है, तब, यदि आप उस चेतावनी की रेखा को पार कर जाए, तो आप स्वत: ही दूसरी ओर चिह्नित हो गए, छाप लग चुकी।

42 याद रखे, जब छुटकारे का वर्ष आता है, और वो—वो याजक तुरही लेकर उसे फूंकता है, कि हर एक दास स्वतंत्र हो सकता है। परन्तु यदि वह स्वतंत्रता को स्वीकार करने से मना कर दे, तब उसे मंदिर के चौखट पर ले जाना होता था, एक खंबे पर, और सुतारी से उसके कान को छेद दिया जाता था, और तब वह सदैव अपने स्वामी की सेवा करता था। और वह उसके कान पर किया जाता था, सुनने की छाया के रूप में। "विश्वास सुनने से आता है।" उसने वह तुरही सुनी, परन्तु उसने उसे सुनना नहीं चाहा।

43 और बहुत बार, पुरुष और स्त्री परमेश्वर के सत्य को सुनते हैं, और इसे प्रमाणित और सिद्ध होते हुए देखते हैं, सत्य, परन्तु तब भी वे उसे सुनना नहीं चाहते। इसका कुछ और कारण है। कि उन्होंने कुछ और चुन लिया है कि उन्हें बाद में उस सत्य और तत्थो का सामना करना है, इसलिए सुसमाचार के लिए उनके कान बंद हो सकते हैं। वे उसे फिर कभी नहीं सुनेंगे। मेरा आपको यह परामर्श है, जब परमेश्वर आपके हृदय से बोले, आपको ठीक तभी प्रतिक्रिया में आये।

44 एलिय्याह ने उन्हें एक चुनाव दिया, जो उन्हें करना था: "आज ही तुम चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे। यदि परमेश्वर ही परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करो। परन्तु यदि बाल परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करो।"

45 अब, जैसा कि हम देखते हैं सारी स्वाभाविक वस्तुए आत्मिक बातों की छाया है, जिनको कि हम आज प्रात: अपने इस पाठ में देखने जा रहे है, जैसे कि सूर्य और उसकी प्रकृति। यह मेरी पहली बाईबल थी। इससे पहले कि मैं कभी बाईबल का एक भी पृष्ठ पढ़ता, मैं परमेश्वर को जानता था। क्योंकि, बाईबल प्रकृति में चारो ओर लिखी हुई है, और यह परमेश्वर के वचन से मेल खाती है: किस प्रकार से मृत्यु, गाड़ा जाना, और पुनरुत्थान इस प्रकृति में है; और सूर्य उदय होना, आकाश से पार होना, अस्त होना, मृत होना, और फिर से उदय होना। प्रकृति में बहुत सी चीजें हैं जिनमें हम परमेश्वर का प्रतिक देख सकते है, जिनको कि हमें इस संदेश के कारण छोड़ना है।

46 अब, यदि आत्मिक, या, प्रकृति आत्मिक बातों की प्रतिक है, तो, फिर

प्रकृतिक रूप में दुल्हन का चुना जाना, आत्मिक दुल्हन के चुने जाने का प्रतीक है।

47 अब, यह एक गंभीर बात है जब हम एक पत्नी चुनने जाते है, एक व्यक्ति यहां प्रतिज्ञा के लिए है "जब तक हमें मृत्यु अलग ना कर दे।" हमें इसी प्रकार ही बने रहना चाहिए। और आप यह प्रतिज्ञा परमेश्वर के सामने करते है, कि केवल मृत्यु आपको अलग कर सकेगी। और मैं सोचता हूं हमें चाहिए... एक सही मानसिक रूप में, व्यक्ति की यह एक भविष्य की योजना है, यह कि उसे ध्यानपूर्वक अपनी पत्नी का चुनाव करना चाहिए। सतर्क रहें कि आप क्या कर रहे हैं। और एक स्त्री पति का चुनाव कर रही है, या पति के चुनाव को ग्रहण कर रही है, उसे सही में सतर्क रहना चाहिए कि वह क्या कर रही है, और विशेषकर इन दिनों में। एक व्यक्ति को सोचना और प्रार्थना करना चाहिए इससे पहले कि वह पत्नी चुने।

48 मैं सोचता हूं, कि आज, क्या है... जिससे तलाक के इतने मुकद्दमे है, कि हम संसार की अगुवाई कर रहे है, अमेरीका में इन तलाक के मामलों में। हम बाकी संसार का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं। यहाँ पर कहीं से भी सबसे अधिक तलाक के मुकद्दमे है, इस राष्ट्र में, और होना चाहिए था, और एक मसीही राष्ट्र माना जाता है। और समझा जाता है, हमारे तलाक की कचहरियां कितनी निन्दनीय बात है! मैं सोचता हूं कि, इसका कारण यह है क्योंकि मनुष्य परमेश्वर से दूर हो गया हैं, और स्त्रियां परमेश्वर से दूर हो गई हैं।

49 और हम देखते हैं, कि, यदि एक पुरुष और एक स्त्री इस मामले के लिए प्रार्थना करे; ना कि केवल उन सुंदर आंखों को देखे, या चौड़े मजबूत कंधो को देखे, या और ऐसे ही कुछ, या दूसरे सांसारिक प्रेम को; परन्तु पहले परमेश्वर को देखे, और कहे कि, "परमेश्वर, क्या यह आपकी योजना है? "

50 मैं सोचता हूं, आज, बहुत धोखे बाजी है, जैसे कि पाठशालाओं में है। जब—जब बहुत से बालक प्रात: आते हैं, बहुत से मेरे पड़ोस के बालक, जो—मेरे दोस्त है, वे आयेगे और कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, आप हमारे लिए प्रार्थना करेंगे? आज हमारी एक—एक परीक्षा है। मैंने—मैंने पिछली पूरी रात पढ़ाई की है, और मुझे ऐसा लगता है कि मैं सब कुछ नही कर पाया हूं—कर पाया हूं। मेरे लिए प्रार्थना करिए।" मैं सोचता हूं

किसी भी पाठशाला का कोई भी बालक, यदि आप चाहते हैं, यदि... और अभिभावक प्रात: की मेज पर, यदि आप कहते, "मां, जॉन की आज परिक्षा है। आइए अभी हम उसके लिए प्रार्थना करें।" मैं सोचता हूं वह हो जाता वह सब जो आप किसी और प्रकार से करते, या किसी और की कापी में झाकते और धोखा देते, मैं सोचता हूं, कि यदि आप केवल बाहर आकर और उस विषय पर प्रार्थना करते।

51 और यदि हम अध्यन करते कि हम क्या कर रहे थे जब हम विवाह करने जा रहे थे, जब हमने अपनी पत्नी या पति चुना, यदि हमने इस पर ध्यान दिया होता! एक पुरुष को व्याकुलता के साथ प्रार्थना करनी चाहिए, क्योंकि वह अपना सम्पूर्ण जीवन नष्ट कर सकता है। याद रहे, प्रतिज्ञा है "जब तक मृत्यु हमे अलग ना करे," और वह अपना जीवन गलत चुनाव करके नष्ट कर सकता है। परन्तु यदि वह जानता है क्या, वह गलत चुनाव कर रहा है और उस स्त्री से विवाह कर रहा है जो कि उसके पत्नी होने के योग्य नहीं है, और वह किसी भी प्रकार करता है, तो यह उसका दोष है। यदि स्त्री किसी को पति ग्रहण करती है और जानती है कि वह आपका पति होने योग्य नहीं, तब यह आपका दोष है, आप जानते हैं कि क्या सही है और क्या गलत है। इसलिए, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए जब तक आप पूरी तरह से प्रार्थना ना करे।

52 यही कलीसिया के चुनने में लागू होता है। अब, आपको कलीसिया के लिए प्रार्थना करना चाहिए जिसमें आप संगति कर रहे हैं। याद रखें, कलीसिया में आत्मायें होती है।

53 अब, मैं किसी का आलोचक नहीं बनना चाहता हूं। परन्तु मैं यह अनुभव करता हूं कि मैं एक बूढ़ा व्यक्ति हूं, और इन्ही दिनों में किसी दिन मुझे यह सब छोड़ना है। और मुझे न्याय के दिन जो कुछ भी मैं आज रात कहता हूं या किसी भी समय, मुझे उसका उत्तर देना है। और मैं, इसलिए, मुझे निष्कपट मरना है बजाये इसके कि मैं सच में ही दोषी ठहरूं।

54 परन्तु, आप एक कलीसिया में जाईये, और यदि आप कलीसिया का व्यवहार देखे, आप कुछ समय के लिए पास्टर पर ध्यान दे, तो अक्सर आप यह पाएगे कि कलीसिया अपने पास्टर जैसा व्यवहार करती है। कभी–कभी, मैं सोचता हूं क्या हम एक दूसरे की आत्मा नहीं ले रहे है बजाए पवित्र आत्मा को लेने के। आप ऐसे स्थान पर जाये जहां पास्टर सही में उग्र सुधारवादी

हो और ऐसा ही करता रहता है, आप पाएंगे कि सभा के लोग भी वैसे ही है। मैं एक ऐसे कलीसिया में गया जहां मैंने देखा कि पास्टर खड़ा होता है, अपने सिर को आगे–पीछे हिलाता है। आप सभा के लोगो को देखिए, वह भी वैसे ही करते हैं। आप एक पास्टर को लीजिए, जो किसी भी चीज को निगल लेता है अक्सर कलीसिया भी वही करेगी। इसलिए, यदि मैं कोई कलीसिया चुन रहा था, तो मैं एक विशुद्ध, आधारभूत, बाईबल की पूर्ण सुसमाचार वाली कलीसिया चुनूंगा, यदि मैं किसी एक को चुन रहा था कि उसमें मैं अपना परिवार रखूं। चुनाव। मैंने देखा...

55 एक दिन, लड़के, भाई शेकेरियन के पुत्र और उनके दामाद, मुझे एक नवयुवक के पास प्रार्थना करने के लिए ले गये, एक गायक, एक छैला युवक। जो कि हाल ही में वापस आया था... फ्रेड बरकर, उसका नाम था, अपनी छोटी यात्रा से वापस आया था। और उन्होंने मुझे बुलाया, कि, "फ्रेड मर रहा है।" और तब, इससे पहले कि मैं उस घर में घुसू, दूसरा संदेश आया, "वह इस समय कभी भी मर सकता है।" और उन्होंने कहा उसके मस्तिष्क में एक—एक चोट आयी है, और उसे लकवा हुआ था, और—और वह मर रहा था, और उसकी पत्नी चाहती थी कि मैं उसके लिए प्रार्थना करूं।

56 और मैंने सोचा, "ओह, यदि मैं हवाई जहाज से जाने का यत्न करूं, तो वह मेरे वहां पहुंचने से पहले मर जाएगा, और हो सकता है अब मर गया हो।" इसलिए, मैंने जल्दी से उस स्त्री को फोन पर बुलाया। और—और हमने किसी तरह से फोन फ्रेड के कान तक पहुंचाया। वह निगल नहीं सकता था। वे उसे कृत्रिम रूप से खिला रहे थे। और जब हमने उसके लिए प्रार्थना की, उसने कहा, इशारा किया, इसे उसके गले से बाहर निकालो। वह निगल सकता था। डॉक्टरों ने इसका विश्वास नहीं किया। उन्होंने उसे निकाल दिया, और वह निगल सका। और वह दूसरे दिन बैठा हुआ था।

एक कलीसिया; एक कलीसिया का चुनना।

57 अभी थोड़ी देर पहले टेलीफोन आया। मेरे कलीसिया का एक सदस्य, जो कि लुइसविले की सच्ची बैपटिस्ट स्त्री है, बहुत सुबह आज वह मर गई। और मेरी स्थानीय कलीसिया, एक सच्चे पवित्र व्यक्तियों का झुण्ड, आपस में एक साथ इकठ्ठे हुए और उस शव की सड़ने से सुरक्षा करने वाले के पास गए, वहां पर वे उसके पास खड़े हुए और तब तक प्रार्थना करते रहे जब तक

वह जीवित नहीं हो गयी। और आज रात वह जीवित है। मेरी कलीसिया के बड़े वृद्ध लोग, क्यों, उनको यह विश्वास करना सिखाया गया कि सब बाते संभव है, परमेश्वर के पास निष्कपटता से आओं।

इसलिए, आपको सही चुनाव करना चाहिए।

58 फिर से, किस प्रकार की स्त्री जो कि एक पुरुष चुनता है, उसकी आकाशाओ और चरित्र को प्रतिबिंबित करता है। यदि एक पुरुष गलत स्त्री को चुनता है, तो यह उसके चरित्र को प्रतिबिंबित करता है। और जो कुछ उसके अन्दर सही में है, वही वह दिखाने का यत्न कर रहा है। एक स्त्री इस बात को प्रतिबिंबित करती है जो पुरुष उसे अपनी पत्नी होने के लिए चुन रहा है उसमें क्या है। यह दिखाता है उसके अंदर क्या है। बाहर से वह क्या कहता है इससे कोई मतलब नहीं, देखिए वह विवाह किस से कर रहा है।

59 मैं एक व्यक्ति के कार्यस्थल पर जाता हूं, और वह कहता है कि वह एक मसीही है; उसकी दीवारों पर चारो ओर नंगी तस्वीरे लगी हुई है, भौड़ा संगीत बज रहा है। मुझे चिन्ता नहीं वह क्या कहता है। मैं उसकी गवाही का विश्वास नहीं करता, क्योंकि उसकी आत्मा संसारिक वस्तुओं को ग्रहण कर रही है। क्या कहें, यदि वह गाने वाली लड़की से विवाह करे, या क्या हो यदि वह यौवन सुन्दरी से विवाह करे, या सुन्दर, आधुनिक आवारा से? यह प्रतिबिंबित करता है, दिखाता है कि वह अपने मस्तिष्क में भविष्य में कैसा घर बनाने जा रहा है, क्योंकि उसने उसे अपने बच्चों के पालन पोषण के लिए चुना है। और वह जैसी भी है, उसी प्रकार से वह उन बालको का पालन पोषण करेगी। इसलिए, यह प्रतिबिंबित करता है कि उस पुरुष में क्या है। एक पुरुष जब एक स्त्री को इस प्रकार से लेता है, वह केवल यह प्रकट करता है कि वह अपने भविष्य के लिए क्या सोचता है।

60 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक मसीही इस प्रकार कर सकता है? नहीं, श्रीमान। मैं नहीं कर सकता। एक सच्चा मसीही ऐसी सुन्दरीयो, और गानेवालियों, और यौवन सुन्दरी को नही ढूंढेगा। वह मसीही चरित्र को ढूंढेगा।

61 अब, आप सारी चीजें नहीं पा सकते हाउ, एक लड़की हो सकता है जो कि सही में सुंदर हो, और दूसरी लड़की, हो सकती है जिसका कि रूप *इस* से अच्छा हो, और आपको एक के लिए दूसरे को बलिदान करना पड़

सकता है। परन्तु यदि वह महिला का डीलडौल नहीं है, या एल स्त्री वाला, और वह... मैं चिन्ता नहीं करता कि चाहे वह सुंदर है या नहीं, अच्छा है कि पहले आप चरित्र को देखें, चाहे वह सुंदर है या नही।

62 तो, अब, यह हो गया है, कि यदि एक मसीही एक पत्नी चुनता है, उसे चाहिए, कि एक सच्ची नया जन्म पाई स्त्री को चुने, इससे कोई मतलब नही कि वह कैसी दिखाई पड़ती है। यह वह है कि वह क्या है, दर्शाता है। और तब, फिर से, यह उसके अपने भक्तीपूर्ण चरित्र को प्रतिबिंबित करता है, और यह प्रतिबिंबित करता है कि उसके मस्तिष्क में क्या है और उसके परिवार का भविष्य क्या होगा, जिसका पालन–पोषण ऐसी स्त्री के द्वारा किया जाएगा, उसके घर के भविष्य की योजना के लिए।

63 यदि वह आधुनिक मदमस्त यौवन सुन्दरी से विवाह करता है, तो वह उससे क्या आशा कर सकता है? वह व्यक्ति किस प्रकार के घर पाने की आशा कर सकता है? यदि वह ऐसी लड़की से विवाह करता है जिसके अन्दर अपने विषय में इतना भी विवेक ना हो कि उसे घर में ही रहना चाहिए और घर की देखभाल करनी चाहिए, और वह बाहर किसी के दफ्तर में काम करना चाहे, वह घर देखने वाली किस प्रकार की होगी? आपको बच्चे की देखभाल करनेवाली, वगैरा, और हर चीज रखनी होगी। यह सच बात है।

64 अब, मैं काम करने वाली आधुनिक स्वभाव वाली स्त्रियों के पक्ष में नहीं हूं। जब मैंने वर्दी धारण किए हुए मोटर साईकल पर पुलिस के रूप में स्त्रियों को नगर में घूमते देखा, यह किसी भी नगर के लिए लज्जा की बात है जो स्त्रियों को यह करने देगा। देखा? देखा? जबकि बहुत से पुरुष बेरोजगार हैं, यह हमारे नगर के आधुनिक विचार को दर्शाता है। यह हमारे मान भंग को दर्शाता है। हमें स्त्रियों को इस तरह से बाहर नहीं घूमने देना चाहिए। उनका इस तरह से बाहर घूमने का कोई मतलब नहीं।

65 जब परमेश्वर ने एक पुरुष को एक पत्नी दी, तो उसने उद्धार के अलावा उसे सबसे अच्छी चीज दी जो वह दे सकता था। परंतु जब कोई पुरुष का स्थान लेने का यत्न करे, तो वह स्त्री जो कुछ उसके पास है उसमें सबसे खराब चीज है। अब, यह ठीक बात है। देखा?

अब हम इसका आत्मिक रूप में लागू होना देख सकते हैं।

66 मैं—मैं जानता हूं कि यह बुरा है, आप सोचते हैं यह बुरा है, परन्तु

यह सत्य है। हम चिन्ता नहीं करते कि यह कितना बुरा है, हमें सचाई का सामना करना है। यह बाईबल सिखाता है। देखा?

67 अब, हम यहाँ परमेश्वर की आत्मिक योजना को स्पष्ट देखते हैं, जो कि परमेश्वर ने अपनी भविष्य में होने वाली दुल्हन के साथ भविष्य के घर के लिए बनाई है, सामने दिखाई पड़ता है।

68 यदि पुरुष एक यौवन सुन्दरी से विवाह करता है, तो आप देख सकते हैं कि वह भविष्य में क्या देख रहा है। यदि एक पुरुष, एक स्त्री से विवाह करता है जो घर में रुकेगी ही नहीं, तो आप समझ सकते हैं कि वह अपने भविष्य के लिए क्या ढूंढ रहा है। और मैं एक बार...

69 यह सुनने में ठीक नही लगता। और मैं बस इसे कहना चाहता हूं। और मैं—मैं, अक्सर, यदि मैं कुछ कहना चाहता हूं, तो मुझे कह देना चाहिए। और यह अक्सर परमेश्वर का तरीका होता है।

70 मैं—मैं एक चरवाहे के साथ जिसके साथ मैं काम करता था, दुधारू पशु खरीदने जाया करता था। और मैंने देखा कि यह बूढ़ा व्यक्ति इससे पहले कि बोली लगाए सीधे ही गाय के मुख की ओर देखा करता था। तब वह उसका मुख घुमा कर, और पीछे देखा करता था और इसी प्रकार से। मैं उसके संग रहा करता और उसे देखा करता। और वह गाय को ऊपर और नीचे देखा करता, और यदि वह देखने ठीक लगती, कद–काठी में। तब वह घूम कर और उसके मुख पर देखता, और कभी–कभी वह अपना सिर हिला कर आगे चल देता।

मैंने कहा, "जैफ, मैं तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं।"

उसने कहा, "पूछो बिल।"

71 और मैंने कहा, "भाई तुम क्यों हमेशा गाय के चेहरे की ओर देखते हो? " मैंने कहा, "वह ठीक दिखाई पड़ती है, एक अच्छी—अच्छी भारी गाय।"

72 उसने कहा, "मैं तुम्हे बताना चाहता हूं, लड़के अभी तुम्हे बहुत सीखना है।" जब उसने मुझे बताया तो बाद में मैंने—मैंने अनुभव किया। उसने कहा, "मैं परवाह नहीं करता कि उसकी काठी कैसी है। वह ऊपर से खुर तक गौ मांस हो सकती है। परन्तु यदि उसके चेहरे पर जंगली भाव है, तो तुम उसे कभी नहीं खरीदना।"

मैंने कहा, “ऐसा क्यों, जैफ? ”

73 कहा कि “भाई,” “पहली बात यह है,” कहने लगा, “वह एक जगह नहीं टिकेगी।” और उसने कहा, “अगली बात यह है, कि वह अपने बछड़े के लिए कभी माँ नहीं होगी।” और कहा, “वे उसे अब बाड़े में रखते है, इसी कारण वह मोटी है। ऐसी जंगली दृष्टी भाव वाली को आप खुला छोड़ दे, वह भागते–भागते अपने को मार देगी।”

74 मैंने कहा, “आप जानिए, मैंने भी एक तरह की कोई बात सीख ली। मैं विश्वास करता हूं यह बात स्त्रियों पर भी लागू होती है।” ठीक है। ठीक है।

75 वह आवारा, भटकने वाली, मदमस्त दिखने वाली, लड़को, अच्छा है कि आप उन से बच कर रहो, वह सब जो वह नीले रंग की चीज अपनी आंखों के ऊपर लगाती है। और मैं नहीं... मैं उसे कभी नहीं चाहता। मैं नहीं सोचता कि ऐसा एक मसीही को होना है। मैं चिन्ता नहीं करता कि टेलीविजन और अखबार कहते हैं कि वह सुंदर है। यह तो बहुत ही भयानक भद्दी दिखने वाली है, जो कि कभी मैंने अपने जीवन में देखी होगी।

76 जब मैंने पहली बार यह देखा, क्लिफ्टन कैफेटेरिया में, एक प्रातः, नाश्ते के समय... उन नवयुवतियो को आते देखा। मैं और भाई आर्गनब्राइट और मैं अन्दर आए थे। और वे नीचे गए थे। और मैंने उन लड़कियो को अंदर आते देखा। और मैंने सोचा कि, “ठीक है, मैं—मैं—मैं—मैं नहीं जानता।” इससे पहले मैंने यह कभी देखा है। वह कुछ इस तरह की थी। ओह, वह ऐसा लग रहा था जैसे उसे कोई फोड़ा निकला हो, आप जानिए कि कुछ अजीब सी दिख रही थी। मैं—मैं यह हंसी में नहीं कह रहा हूं, मैं—मैं कह रहा हूं... मैं जानता हूं, मैंने कोढ़ देखा है, मैं एक मिशनरी हूं, आप जानते है, मैंने हर प्रकार के अनूठी चीजे देखे है, कि किस प्रकार से... बीमारियां, और मैं उस नवयुवती के पास जा ही रहा था और उसे बताता, “मैं—मैं—मैं एक सेवक हूं, मैं—मैं बीमार के लिए प्रार्थना करता हूं। क्या—क्या आप अपने लिए मुझसे प्रार्थना करवाना पसन्द करेगी? ” और इस प्रकार की चीज मैंने कभी नहीं देखी थी। और तब, वहां दो या तीन और आ गयी, अंदर। मैं तब एक प्रकार से रुक गया और प्रतिक्षा करने लगा।

77 और भाई आर्गनब्राइट आ गए, तो मैंने कहा, “भाई आर्गनब्राइट? ” वह यहां हो सकते है। मैंने कहा, “उस स्त्री के साथ क्या परेशानी है? ” देखा?

और उन्होने कहा, “वह, वह रंगी हुई है।”

78 मैंने कहा, "भाई, कमाल है!" देखा? मैंने सोचा कि इन्हें इसको कहीं कीट नाशक स्थान में रखना चाहिए, ताकी इस बीमारी से और स्त्रियों को बचाया जा सके।

79 परन्तु, आप जानते हैं, आपको योजना बना कर, और देखकर, प्रार्थना करना चाहिए, जब आप चुनाव कर रहे हैं। क्योंकि, इसी के द्वारा, हम प्रतिज्ञा का वचन देखते हैं। वह, दुल्हन जो एक व्यक्ति चुनेगा, वह उसके चरित्र को प्रतिबिंबित करने जा रही है। उसके अन्दर क्या है वह वही प्रकट करती है।

80 अब, क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कि एक व्यक्ति जो पवित्र आत्मा से भरा हुआ है, इस प्रकार की स्त्री को पत्नी होने के लिए चुनेगा? भाईयो मैं—मैं—मैं ऐसा कही नहीं देखता। अब, आप हो सकता है कि मैं कुछ बुढा हो गया हूं। परन्तु, आप जानते हैं, कि मैं—मैं इस बात को नहीं समझ सकता हूं, देखा, ध्यान दें, क्योंकि यह प्रकट होने जा रहा है कि उसमें क्या है। वह भविष्य में उसका घर बनाने में उसकी सहायता करने जा रही है।

81 अब, तब, जब हम इसको अब कुछ क्षणों के लिए, आत्मिक रीती पर बदलने जा रहे हैं। और जब आप एक कलीसिया को देखते हैं जो कि संसार में है, संसारिक तौर पर कार्य करती है, संसार से आशा रखती है, संसार में जुडी हुई है, परमेश्वर की आज्ञाओं को ऐसी लेती है जैसी कि उसने कभी लिखा ही नहीं था, तब क्या आप—आप कल्पना कर सकते हैं कि मसीह इस प्रकार दुल्हन को नहीं लेगा। क्या आप कल्पना कर सकते है कि वह इस आधुनिक कलीसिया को अपनी दुल्हन की तरह लेगा? नही मेरे प्रभु। मैं नहीं… मैं यह बड़ी कठिनाई से देख सक रहा हूं। नहीं। याद रखिए, अब, एक पुरुष और उसकी पत्नी एक है। क्या आप अपने को इस तरह के व्यक्ति के साथ जोड़ना चाहेंगे? यदि आप करेंगे, तो निश्चय ही मेरे विश्वास को आप के अन्दर निराशा ही मिलेगी।

82 और, फिर, परमेश्वर के विषय क्या होगा कि वह अपने को इस प्रकार की चीज के साथ जोड़े, जो कि निरन्तर एक नामधारी वैश्या है? क्या आप सोचते हैं कि वह ऐसा करेगा, "भक्ति का भेष तो भरते है, परंतु उसकी सामर्थ का इन्कार करते है"? वह ऐसा कभी नहीं करेगा। उस स्त्री के अन्दर उसके पति का चरित्र होना चाहिए। एक मूल, सच्चे, नया जन्म प्राप्त कलीसिया के अन्दर वही—वही चरित्र होना चाहिए जो मसीह में था,

क्योंकि पति और पत्नी एक है। और यदि यीशु ने केवल वही किया जो परमेश्वर को प्रसन्न था, उसके वचन का पालन किया और उसके वचन को प्रकट किया, उसकी पत्नी के अन्दर भी उसी प्रकार का चरित्र होगा। वह किसी भी प्रकार से कोई भी नामधारी संस्था नहीं होगी। क्योंकि, तब, इसका कोई अर्थ नहीं आप कितना भी "नही," कहना चाहे वह कहीं ना कही किसी भी बोर्ड के द्वारा नियंत्रित होती है, जो उसे यह बतायेगा कि क्या करना है और वह क्या नहीं कर सकती, और, बहुत सी बार, सत्य वचन से लाखों मील दूर होगी।

83 यह बहुत बुरा होगा यदि हम कभी भी अपने मूल मार्ग दर्शक से जिसे परमेश्वर ने हमें दिया है कि कलीसिया का मार्ग दर्शन करे उससे दूर हट जाए। उसने कभी भी प्रादेशिक प्रस्तिबुत नहीं भेजा। उसने कभी भी बिशप, कार्डिनल, पादरी, पोप को नहीं भेजा। उसने कलीसिया के लिए पवित्र आत्मा को भेजा है, कि कलीसिया का मार्ग दर्शन करे। "जब वह पवित्र आत्मा आता है, तो वह तुम्हे पूर्ण सत्य तक ले जाएगा, जो बाते मैंने तुम्हें बताई है, उसे तुम पर प्रकट करेगा, तुम्हे सारी बातें याद दिलाएगा, और आने वाली बातें तुम्हे दिखाएगा।" पवित्र आत्मा को यही करना था। अब, आधुनिक कलीसिया इस बात को पसन्द नही करती। वह इससे घृणा करते है, इसलिए वह मसीह की दुल्हन कैसे हो सकती है? आज के लोग आधुनिक उपाधियो वाले संप्रदाय को चुनते हैं। इससे क्या होता है, यह केवल उनकी वचन के प्रति कम समझ को प्रतिबिंबित करता है।

84 मेरा मतलब यहां किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं, परन्तु मेरा अर्थ यह है कि यह आपके ह्रदय की गहराई बैठ जाए जब तक आप इसे नहीं देखेंगे।

85 मैंने बहुत से जोड़ों की विवाह लगाया है, परन्तु ये हमेशा मुझे दुल्हन और मसीह की याद दिलाते है। कुछ समय पहले, मैंने एक शादी लगाई थी, यह—यह मेरे जीवन में उसका एक बहुत ही विशेष महत्त्व था। यह बहुत वर्षो पहले की बात है, जब मैं एक नवयुवक सेवक था।

86 मेरा भाई उस—उस पीडब्लूए में काम कर रहा था। मैं नहीं जानता कि अभी तक किसी को उसकी याद होगी या नही, कोई भी जो मेरी आयू का होगा। और यह एक—एक सरकारी योजना थी। और मेरे भाई लगभग तीस मील दूर कार्य करता था। वे कुछ झीले खोद रहे थे, एक सिचाई योजना के लिए।

87 और उसके साथ कुछ लड़के काम करते थे, इंडियानापोलिस के, लगभग, ओह, जेफरसनविले से, सौ मील ऊपर जहां मैं—मैं रहता हूं, या रहा। और वहां एक था... जिसने एक दिन मेरे भाई से कहा, उसने कहा, "डॉक्, " उसने कहा, "मैं—मैं चाहता हूं... मैं विवाह करूंगा, यदि मेरे पास प्रचारक को भुगतान करने के लिए पर्याप्त पैसा हो।" उसने कहा कि, "मेरे पास—मेरे पास इतना पैसा है कि मैं अपना शादी करवाने के लिए लाइसेंस ले सकू, परन्तु, " कहा, "मेरे पास इतना नही है कि प्रचारक की फीस भर सकू।"

88 डॉक् ने कहा, "भाई, मेरा भाई एक प्रचारक है, और—और वो—वो तुम्हारा विवाह कर सकता है।" उसने कहा, "वह लोगो से इस तरह के कार्यो के लिए पैसा नहीं लेता है।"

उसने कहा, "क्या तुम उससे पूछोगे यदि वह मेरा विवाह करवा दे? "

89 तो, उस रात मेरे भाई ने मुझसे पूछा। मैंने कहा, "यदि वह इससे पहले कभी भी विवाहित नहीं था, दोनों में से कोई भी, और वे... हर चीज ठीक-ठाक है।"

उसने कहा, "अच्छा ठीक है, हाँ, वह उससे पूछेगा।"

और मैंने कहा, "यदि ऐसा है, तो उससे कहना, यहां आ जाए।"

90 इसलिए, जब शनिवार आया तो वह लड़का आया। जब भी मैं इस बात को याद करता हूं तो मेरे लिए हमेशा यह एक बड़ी बात होती है। मैं... दोपहर को वर्षा हो रही थी, और एक पुरानी शेवरलेट कार, जिसकी सामने की बत्ती के तार निकले पड़े थे, सामने आ खड़ी हुई। तभी कुछ समय बाद की बात है जब मैं अपनी पत्नी को खो चुका था, और मैं दो छोटे कमरे वाले मकान में रह रहा था। और—और डॉक् भी मेरे साथ, उनकी प्रतीक्षा कर रहा था।

91 और—और एक लड़का कार से बाहर निकला, और वह निश्चय ही मुझे दूल्हे जैसा नहीं लग रहा था, या मैं सोचता हूं किसी को भी नहीं, मुझे लगता है। जी हां। मैं डेढ डॉलर में सुन्दर अच्छा सा जूते का जोड़ा खरीद सकता था। और उसने जो जूता पहन रखा था, वह घिस चुका था। और उसकी पैन्ट भी बहुत ही ढीली-ढाली थी। और उसने वह रोयेदार सी जैकेट पहन रखी थी। मैं नहीं समझता कि उनमें से कुछ पुराने लोगो को याद होगा। वह इस प्रकार लग रही थी कि मानो बिना धोए कर साफ़ लिए

कपड़े धोने की मशीन से निकाली होगी, और उस पर धारियां सी पड़ी हुई थी, और कोना कुछ *इस* तरह से बंधा हुआ था।

92 और एक—एक छोटी सी महिला एक ओर से उतरी, एक छोटी सी, ओह, वह चारखानेदार सी दिखने वाली वेशभूषा।

93 मैं नहीं जानता। इस तरह की चीजो के नाम पुकारने में, मैं एक बार गलती कर जाता हूं। मुझे सोचता हूं कि उसे यही कहते है। और सो ये... [सभा के लोग हंसते है—सम्पा।] मैंने कहा यह फिर गलत हो गया। मैं—मैं हमेशा ही ऐसा करता हूं। और मैंने कहा...

94 कि वह कार से बाहर आयी, और वे दोनों सीढ़ियों पर से आये। और—और जब वे अंदर आए, वह बेचारी छोटी सी चीज, वह... मुझे लगता है, कुल मिला कर, बस उसने पूरी स्कर्ट पहन रखी थी। और पैरो में जूते ना के ही बराबर थे। इंडियानापोलिस से वह सहयात्री होकर ही आई थी। उसके छोटे बाल लटो की चोटी पीठ पर लटके हुए थी। बिल्कुल नवयुवती सी प्रतीत हुई।

और मैंने उससे कहा, "क्या तुम्हारी आयू विवाह योग्य है? "

95 वह बोली, "जी हां, श्रीमान।" और बोली, "मेरे पास मेरे पिता और माता की लिखित अनुमति है।" वह बोली, "इसे मुझे यहां कचहरी में—में दिखाना है कि मुझे मेरा लाइसेंस मिल सके।"

96 मैंने कहा, "ठीक है।" मैंने कहा, "मैं आप से थोड़ी से बात करना चाहता हूं इससे पहले कि हम इस विवाह को सम्पन्न करें।" वे बैठ गए। लड़का कमरे में चारो ओर देख रहा था; उसे बाल कटाने की बहुत ही आवश्यकता थी। और वह कमरे में लगातार चारो ओर देखे जा रहा था। वह मेरी बात पर ध्यान नहीं दे रहा था। मैंने कहा, "बेटे, मैं चाहता हूं कि जो मैं कह रहा हूं तुम उसे सुनो।"

बोला, "जी हां, श्रीमान।"

और मैंने कहा, "क्या तुम इस लड़की से प्रेम करते हो? "

उसने कहा, "जी हां, श्रीमान। मैं करता हूं।"

मैंने कहा, "क्या तुम इससे प्रेम करती हो? "

"जी हां, श्रीमान। मैं करती हूं।"

97 मैंने कहा, “अब, क्या तुम्हारे पास स्थान है जहां तुम इसे विवाह होने के पश्चात ले जाओगे? ”

बोला, “जी हां, श्रीमान।”

98 मैंने कहा, “ठीक है। अब,” मैंने कहा, “मैं तुम से कुछ पूछना चाहता हूं। मैं समझता हूं, कि तुम यहां पीडब्लूए में काम करते हो।”

और वह बोला, “जी हां, श्रीमान।” वहां सप्ताह में लगभग बारह डॉलर मिलते है।

मैंने कहा, “क्या तुम सोचते हो कि तुम इसके जीवन यापन के लिए कुछ कर पाओगे? ”

वह बोला, “जो भी मैं कर सकता हूं, मैं सब कुछ करूंगा।”

99 और मैंने कहा, “तो, यह ठीक बात है।” और मैंने कहा, “बहन, क्या होगा यदि वो... क्या हो यदि इसकी नौकरी छूट जाए? तू, क्या करोगी, मम्मी, पापा के पास घर वापस भाग जाओगी?

वह बोली, “नहीं, श्रीमान। मैं इसी के साथ रहूंगी।”

100 और मैंने कहा, “श्रीमान, यदि आपके पास तीन या चार बच्चे हो जाए, और उन्हें खिलाने को कुछ भी नहीं हो, और तुम्हारे पास काम ना हो। तो तुम क्या करोगे, उसे दूर भेज दोगे? ”

101 वह बोला, “नहीं, श्रीमान। मैं संघर्ष करूंगा। हम किसी भी तरह से कर ही लेंगे।”

102 मुझे कुछ अनुभव हुआ। और मैंने देखा कि यह सच में इससे प्रेम करता है, और वे एक दूसरे से प्रेम करते है। मैंने उनका विवाह कर दिया।

103 तब मैंने सोचा कि वह उसे कहां ले गया। कुछ दिनों बाद, मैंने अपने भाई, डॉक् से पूछा, वह कहाँ है। कहा कि, “न्यू अल्बानी चले जाइये,” एक छोटा शहर जो हमसे नीचे की ओर है।

104 और वहां नदी पर, जहां मैंने कुछ टिन रखा हुआ था, जब मैं—मैं एक लाइनमैन था, तो वहां रोज जाया करता था। इसलिए जब बाकी लोग बैठकर, वे सारे चुटकुले और बातें किया करते थे, मैं ट्रक में बैठ कर वहां नदी पर चला जाता या और उस दौरान वहां प्रार्थना करता था, और उस बड़े टीन के नीचे, बड़ी जगह में बाईबल पढ़ता था, जहां पर पुराना लोहे

का सामान पड़ा होता था। वहां पर ढेर सारे पुराने मालगाडी के डिब्बे पड़े हुए थे।

105 और इस व्यक्ति ने वहां जा कर उनमें से एक बड़ा डिब्बे को ले लिया था और उसमें एक दरवाजा जड़ लिया था। और अखबार और चिपकने वाले बटन ले लिए थे।

106 कितने आप में से जानते हैं कि चिपकने बटन क्या होता है? इसका मतलब यहां पर कोई भी केंटुकियन नहीं है। बस, एक गत्ते का एक टुकड़ा लीजिए, उस पर सुई लगे हुए बटन, एक स्प्रिंग डाल दीजिये। और उसे उसके अंदर दबा दीजिए... यही चिपकाने वाला बटन होता है।

107 इस तरह से, उन्होंने उसे चारो ओर लगा लिया। और उस लोहे के कबाड़ में से और वहां से कुछ सामान लाकर, और एक सीढ़ी बना ली, ऊपर आने के लिए। और कुछ पुराने बक्से लेकर, एक टेबल बना लिया था। और एक दिन, मैंने सोचा, "मैं वहां जाऊंगा और देखूंगा कि वह लोग किस तरह से जीवन व्यतीत कर रहे हैं।"

108 लगभग छह महीने पहले, मैंने ई. वी. नाईट की बेटी का ई. टी. स्लाईडर के पुत्र के साथ विवाह सम्पन्न किया था। ई. वी. नाइट, वहां ओहियो नदी के क्षेत्र में सबसे धनवान व्यक्ति थे, और, वे, वहां एक बड़ी फैक्ट्री चलाते थे, जिसमें वे ढले हुए मकान बनाते थे, और आदि-आदि। और—और स्लाईडर, ई. टी. स्लाईडर, कि सैंड और ग्रेवल कंपनी है, करोड़पतियो के बच्चे। और मैंने उनकी शादी की।

109 और मैं वहां उस स्थान में गया, और लगभग दो सप्ताह तक इसका अभ्यास करता रहा, और पीछे छप्पर में जाकर और तकिये पर घुटने टेकता रहा। और वह सारे धूमधाम और हर चीज जिसमें से होकर शायद मैं कभी नही गया, उनमें से होकर जाना था, उस जोड़े के शादी के लिए! और जब वे बाहर आये, क्यों, वे थे... यह दूसरा छोटा सा जोड़ा वहां छोटे से पुराने कमरे में खड़ा था जहां पास एक छोटा सोफा और फोल्डिग पलंग था, परन्तु उन दोनों जोड़ो का विवाह एक संस्कार के द्वारा हुआ था।

110 और तब, एक दिन, मैंने सोचा मैं वहां नीचे जाऊंगा और इस धनवान जोड़े से मिलुंगा। उन्हें काम करने की आवश्यकता नहीं थी, उनके पिता करोड़पति थे, उन्होंने उनके लिए शानदार घर बनाया था। खुलेतौर पर, यह ई. वी. नाईट, वहां ऊपर, पहाड़ पर रहते थे, उनके हवेली के दरवाजे

पर कुण्डे चौदह कैरेट के थे, इसलिए आप कल्पना कर सकते हैं कि वे किस प्रकार के घर में रहते थे। उन्हें काम करना ही नही था। उनके पास अच्छी कैडिलैक कार थी जो उन्हें हर वर्ष दी जाती थे। और बस, केवल वे ही बच्चे थे, और जो भी वे चाहते थे उनके पास सब कुछ था। जब मैं एक दिन वहां गया...

111 अब, मेरी उनसे जान पहचान कैसे हुई थी, उनका एक मित्र मेरा अच्छा मित्र था। और हम एक दूसरे के लंगोटिया मित्र थे। और इस तरह से मेरी उन से जान पहचान हुई, जब वे मुझ से अपनी शादी करवाना चाहते थे।

112 इसलिए मैं उनसे मिलना चाहता था। और मैंने अपनी पुरानी फोर्ड बाहर खड़ी की, और बाहर निकलकर, और सीढ़ियों पर चढ़ गया। और—और मैं उनके काफी पास आ गया, और मैंने उनकी सुनी। और वह असल में झगड़ रहे थे। वे एक दूसरे से ईर्ष्या कर रहे थे। वे कहीं नाचने गए थे। वह बहुत सुंदर लड़की थी। और वह एक तरह से सुंदरता की रानी थी। उसने उस क्षेत्र में बहुत से इनाम जीते थे, और सुन्दरता की रानी होने के कारण, उसने बहुत सी कारों और चीजें जीती थी। और मैंने उनकी ओर देखा, और एक एक कोने में बैठा था और दूसरा दूसरे कोने में बैठा था, और किसी लड़के के विषय में झगड़ रहे थे कि उसने उस लड़के के साथ या कोई लड़की के साथ या कुछ और डांस किया था।

113 जब मैं ऊपर आया, वे बहुत जल्दी से उछल पड़े और फर्श पर से आते हुए उन्होंने एक दूसरे को पकड़ लिया, और वे—वे एक दूसरे का हाथ, पकड़े हुए, दरवाजे की ओर आ रहे थे। बोले, "क्यों, अरे हेलो, यह भाई ब्रन्हम! कैसे चल रहा हैं?"

मैंने कहा, "बिल्कुल ठीक। आप सब लोग कैसे है?"

114 और, "ओह," उसने कहा, "मैं—मैं... हम बहुत खुश हैं। है ना, प्रिय?"

और वह बोली, "हाँ, प्रिय।" समझे?

115 अब, देखिए, आप किसी चीज का दिखावा कर रहे है जो कि वास्तविक नहीं है। अब, आप रंगी हुई आग की चित्रकारी से गर्म नहीं हो सकते, जैसे कि बहुत से पेंटीकोस्टल कलीसिया रंगो की चित्रकारी से किसी चीज का पेंटीकोस्ट, जो कि हजार वर्ष पहले या दो हजार वर्ष पहले हुआ था बनाने की कोशिश कर रहे है। आप चित्रकारी की आग से गर्म नहीं हो सकते।

पेंटीकोस्ट तो आज भी वैसा ही वास्तविक है जैसा वह तब पहले था। देखा? जी हां। आग अब भी गिर रही है। यह चिरकारी की आग नहीं है। यह वास्तविक आग है।

116 तो, वे, वहां सामने थे। देखा? मैं—मैं इस प्रकार से कभी नही जीना चाहता।

117 "अच्छा," मैंने सोचा, "आप जानते हैं, वहां नीचे चट्टान पर नदी के पास, जहां दूसरा जोड़ा बंधा हुआ है।" मैंने सोचा, "एक दिन शनिवार दोपहर बाद मैं वहां जाकर और देखुंगा कि वह लोग कैसे चल रहे थे।"

118 इसलिए मैं, मेरा चेहरा गंदा था, और मैं सारा गंदा था, और मेरे औजार मेरे पास थे। मैंने सोचा, "मैं चुपचाप से उनके पास जाऊंगा।" और मैं चुपचाप से भेद लेने वहां ऐसे पहुंचा जैसे कि मैं बिजली प्रवाह रोकने के लिए कुछ ढूंढ रहा हूं जो की बिजली गिरने से चटक गया हैं या ऐसे ही कुछ, और जैसे ही मैं टेलीफोन के तार के साथ-साथ चला, बिजली का तार जो नदी के साथ-साथ चल रहा था। और पुरानी शेवरलेट वहां सामने खड़ी थी। एक वर्ष के पश्चात, जब मैंने उनकी शादी थी। और वहां एक—एक... दरवाजा खुला हुआ था, और मैं उन्हें बात करते हुए सुन सकता था। तो यह एक ढोंगी की तरह लगता है, लेकिन मैं काफी नजदीक चला गया इतना तक कि मैं सुन सकता था, देखो कि वे क्या कह रहे थे। वहां खड़ा था। और मैं बस अपने लिए जानना चाहता हूं।

119 मैं जानना चाहता हूं और निश्चित हूं कि मैं जानता हूं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। इसी तरह से मैं परमेश्वर के वचन के बारे में करता हूं। क्या यह सत्य है, या यह सत्य नहीं है? क्या वह अपने वचन को बनाए रखेगा, या वह अपने वचन को नहीं रखेगा? वह अपने वचन का पालन नहीं करता है, तब वह परमेश्वर नहीं है। देखा? वह अपने वचन का पालन करता है, वह परमेश्वर है। देखा?

120 और इसलिए मैं देखना चाहता हूं कि वे कैसे साथ-साथ चल रहे थे। और मैं किनारे पर फिसल गया, बहुत ही आसानी से। मैंने उसे कहते सुना, "ओह, प्रिय, मैं इसे तुम्हारे लिए लेना चाहता था, बहुत बुरा।"

121 उसने कहा, "अब, देखो, प्रिय।" उसने कहा, "यह पोशाक ठीक है।" उसने कहा, "क्यों, यह ठीक बात है।" कहा, "मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन आप देखते हैं... "

122 मैं इधर–उधर खिसक गया, ताकि मैं दरार में से होकर देख सकूं, जहां माल डिब्बा का दरवाजा खुला हुआ था। और वह वहां पर बैठा हुआ था, और वह उसकी गोद में थी; और उसका हाथ उसके चारों ओर था, और उसका हाथ उसके चारों ओर था। और उसके पास इन पुरानी ढीली टोपीओ में से एक थी, और उसने एक छोटा सा छेद किया था, इसे नीचे, ऊपर से मसला हुआ था, और उसमें अपना वेतन चेक निकाला। वह—वह इसे मेज पर रख रहा था। कहा, "किराने के सामान के लिए *इतना* कुछ। बीमा के लिए *इतना* कुछ। और कार पर *इतना* कुछ।" और वे अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर सके। पता लगाने के लिए आया, उसने वहां एक छोटी सी पोशाक को एक खिड़की में देखा था, कुछ हफ्तों से इसे देख रहा था, जिसकी कीमत एक डॉलर और कुछ है। वह इसे पाना चाहता था। कहा, "तो ठीक है, प्रिय, तुम इसमें बहुत सुंदर दिखोगी।" और उसने कहा...

123 उसने कहा, "लेकिन, प्रिय, मेरे—मेरे पास एक पोशाक है। मुझे—मुझे वास्तव में इसकी आवश्यकता नहीं है।" देखा? और वह छोटी रानी...

124 और मैं पीछे हट गया, और ऊपर देखा। मैं दूसरे घर की चोटी पर उस—उस मीनार को देख सकता था। मैं वहां खड़ा हुआ और कुछ मिनटों के लिए देखा। मैंने सोचा, "कौन व्यक्ति धनी है? " मैंने सोचा, "यदि, बिल ब्रन्हम, तुम कौन सी जगह चुनना चाहोगे, तुम कहाँ जाना चाहोगे? " मैं अपने लिए वह सुंदर चीज जो पहाड़ की चोटी पर है नहीं लुंगा। परन्तु मैं इस चरित्र को लुंगा जो यहां सही में घर बनाने वाला है, कोई जो मुझे प्रेम करे और मेरे साथ रहे, कोई जो घर बनाने का यत्न करे; और हर चीज के लिए, सजावट के लिए आपसे लहू नहीं बहाया; और कोई ऐसा जो आपके साथ था, आपका भाग था।

125 यह बात सदा मेरे साथ रही कि वह कैसा कि वह कैसा था। एक ने सुंदर लड़की चुनी, दूसरे ने चरित्र चुना। अब, केवल यह रीती है कि आप चुन सकते हैं। पहले, चरित्र को देखिए; और तब, यदि आप उसे प्रेम करते हैं, जो अच्छा है।

126 ध्यान दें, परमेश्वर के पहले आदम के पास उसकी पत्नी चुनने के लिए चुनाव नहीं था। उसके पास कोई चुनाव नहीं था। परमेश्वर ने केवल एक ही बनाया था, और उसको उसे चुनने का अवसर ही नहीं था। इसलिए हम

पाते हैं कि वह उसे परमेश्वर के वचन से भटका ले गयी। उसे इस विषय पर प्रार्थना करने का अवसर नहीं था। वह—वह—वह आपकी या मेरी तरह नहीं है। उसे चुनाव करने को नहीं मिला। और फिर, ऐसा करके, उसने उसे परमेश्वर के पुत्र होने के उसके सही स्थान से हटा दिया। और उसने ऐसा उन्हें जीवन जीने का एक आधुनिक तरीका दिखाकर किया, जो वास्तव में उन्हें नहीं करना चाहिए था। परन्तु उस स्त्री के चरित्र ने दिखाया कि वह गलत थी। उसका अभिप्राय और उद्देश्य साधारणता गलत थे। आधुनिक नई ज्योति के द्वारा जो उसने पाई थी, उसी विवेक के द्वारा उसने उसे तैयार कर लिया, जो कि परमेश्वर के वचन के विरुद्ध था, जीवित रहने के लिए उत्तम मार्ग था।

127 और आज कितनी स्त्रियां, और इसी तरह से पुरुष भी, जो कि अच्छी स्त्री को परमेश्वर दूर हटा सकते हैं, या अच्छे पुरुष को परमेश्वर से दूर हटा सकते है, उसे बताने का यत्न करने के द्वारा, "यह धर्म है, तुम पेंटीकोस्टल लड़कों, वह धर्म है," वे कहते हैं, "ओह, यह पुराने तरीके का धर्म है, यह पुराना धुन्धला है, इसका विश्वास मत करना।" अच्छा होगा आप पूरी लगन से प्रार्थना करे इससे पहले कि आप उस लड़की से विवाह करे, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कितनी सुंदर है। यही बात पुरुषो के लिए भी है।

128 हवा ने उसे परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध राजी कर लिया और उससे ऐसा कुछ करवाया जो उसे नहीं करना चाहिए था, और, इसके द्वारा ही कारण बना, कि सारी मानव जाति में मृत्यु आ गई। इसलिए बाईबल स्त्री को परमेश्वर के वचन को सिखाने, या प्रचार करने, या किसी भी प्रकार से संभालने को मना करती है।

129 मैं जानता हूं, आप में से बहुत सी बहने कहती हैं कि, "प्रभु ने मुझे प्रचार करने के लिए बुलाया है।"

130 मैं आपके साथ विवाद करने नहीं जा रहा हूं। परंतु मैं आपको बताने जा रहा हूं, कि वचन कहता है कि आपको यह नही करना है। "स्त्री उपदेश या, कोई अधिकार नही जतायेगी, परन्तु शान्त रहे।"

"भाई," आप कहती हैं कि, "प्रभु ने मुझे यह करने के लिए कहा है।"

131 मैं इसमें जरा भी संदेह नहीं करता। क्या उस रात आपने मेरा सन्देश बालाम के विषय में सुना था? बालाम ने पहले ही सीधा परमेश्वर का निर्णय

सुना कि, “यह मत करो।” परन्तु वह मूर्खता करता ही रहा जब तक अंत में परमेश्वर ने कह ही नहीं दिया कि जा कर ले।

132 हो सकता है परमेश्वर आपको प्रचार करने की अनुमति दे दे। मैं नहीं कहता कि उसने ऐसा नहीं किया। परन्तु यह उसके सिद्ध वचन और योजना के अनुसार नहीं है। “परन्तु उसको आज्ञाकारी होना है, जैसा कि व्यवस्था भी कहती है।” ये सत्य है। इसलिए, उसे यह नहीं करना चाहिए।

133 अब, फिर से ध्यान दें किस प्रकार से शारीरिक दुल्हन आत्मिक का प्रतीक है। वचन कहता है, कि, “स्त्री पुरुष के लिए बनी है, ना कि पुरुष स्त्री के लिए बना है।”

134 अब थोड़ी देर में, और क्यों, मैं मसीह की दुल्हन पर बोलने जा रहा हूं, परन्तु मैं इसकी पृष्ठभूमि दिखाने का यत्न कर रहा हूं।

135 “स्त्री पुरुष के लिए बनी थी, और पुरुष स्त्री के लिए नही।” यही कारण है, कि व्यवस्था के समय, बहुविवाह वैध था। दाऊद को देखिए उसकी पांच सौ पत्नियां थी, और बाईबल ने कहा, “वह परमेश्वर के ह्रदय के अनुसार एक मनुष्य था।” पांच सौ पत्नियों के साथ, और सुलेमान एक हजार के साथ, परन्तु उन स्त्रियों में से कोई भी दूसरा पति नहीं कर सकती थी।

136 आपके पास मेरा *विवाह और तलाक* का टेप है। यह बहुत समय की बात नही है, जब मैं ट्यूसान में पहाड़ की चोटी पर, इस विषय में प्रार्थना कर रहा था। उन्होंने यह देखने के लिए विद्यालय की छुट्टी कर दी कि किस प्रकार आग का खंभा पहाड़ को घेर लेता है और सुरंग में जाता है, ऊपर और नीचे, आता और जाता है। यहाँ भी कुछ लोग हैं जो वहां थे उन्होंने देखा, और यह... जब उसने मुझे विवाह और तलाक के प्रश्नों के विषय में बताया। यदि कोई भाग *इधर* जा रहा है, और एक *उधर* जा रहा है, तो वहां कहीं तो एक सत्य होना है। और उन सात मोहरों के पश्चात, उसने दिखाया कि इसकी सचाई क्या है।

137 अब ध्यान दें, वह एक के सिवाए दूसरा पति नहीं कर सकती, क्योंकि, “स्त्री पुरुष के लिए बनी है, और पुरुष स्त्री के लिए नही।” वह सारी पांच सौ स्त्रियां केवल दाऊद की पत्नी थी, और यह एक नमूना था। जब मसीह सहस्त्रशताब्दी में सिंहासन पर बैठता है, उसकी दुल्हन एक व्यक्ति नहीं होगी, परन्तु वह लाखो में होंगी, सब मिला कर एक, दुल्हन। और दाऊद की व्यक्तिगत रूप में, बहुत सी पत्नियां थी, परन्तु केवल वह सब मिलकर

उसकी एक पत्नी थी। जिस तरह कि विश्वासियों का पूरा समूह मसीह की दुल्हन है, क्योंकि ये वही है, वह स्त्री। वह पुरुष था। अब, हम मसीह के लिए बने थे। मसीह हमारे लिए नहीं बना।

138 और आज हम अपनी पाठ्यपुस्तकों में यही करने का यत्न करते हैं, वचन को अपने अनुसार बनाना चाहते है (जो कि मसीह है) जो हमें ठीक लगता है, विपरीत इसके कि हम अपने को वचन अनुसार बनाने बनाने का यत्न करे। यही भिन्नता है।

139 जब पुरुष निश्चित लड़की को किसी परिवार से चुनता है, उसे सुंदरता पर भरोसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि सुंदरता धोखा है। और सुंदरता, आधुनिक सांसारिक सुंदरता, शैतान की है।

"ओह," मैं वहां बाहर यह सुन पाता हूं, " प्रचारक, यहाँ सावधान रहो!"

140 मैं यह कहता हूं यह पृथ्वी पर की चीजे, जो कि सुंदर कहलाती हैं, यह बिल्कुल शैतान की है। मैं यह आपको सिद्ध कर दुंगा। इस टिप्पणी के उजियाले में, आइए हम परमेश्वर के पवित्र वचन को, यह देखने के लिए खोजे कि यह सही है या नहीं। और यदि आप में से कुछ स्त्रियां सुंदर होना चाहती हैं! तो देखें यह कहां से आया। आरंभ में, हम पाते हैं कि शैतान बहुत ही सुंदर था इतना तक उसने दूतों को भरमा दिया। और वह सब स्वर्गदूतो में सबसे अधिक सुंदर था। यह दिखाता है कि यह शैतान में था। नीतिवचन में कहा, सुलेमान ने कहा, "सुंदरता व्यर्थ है।" यह ठीक है। पाप सुंदर है। निश्चय ही है। यह आकर्षक है।

141 मैं यहां आपसे यह कहना चाहता हूं, और पूछना चाहता हूं। और मैं चाहता हूं कि कुछ ही मिनटों में आप इस पर ध्यान दे। समस्त संसार की सब जातियां, पक्षी, पशु, मनुष्य को छोड़ हम पशु जीवन में यह पाते हैं कि वह नर ही होता है जो सुंदर होता है, और मादा नहीं। यह क्यों? देखो... हिरण को देखिए, वह—वह सुंदर बड़ा नर हिरन जो सींगों के साथ है, और छोटी बिना सींग की हिरनी। उस—उस मुर्गी में देखिए, वह छोटी, धब्बेदार मुर्गी, और वह बड़ा सुंदर पंखदार कलंगीदार मुर्गा। नर पक्षी और मादा पक्षी को देखें। नीलसर बतख और मादा को देखो। देखा? और संसार में एक भी जाति नहीं है, जो बनी हो, जो धोखा दे सके और एक स्त्री के समान नीचे गिरे।

142 अब, बहन, उठकर और बाहर ना जाये। बस प्रतीक्षा करें जब तक हम इसका अंत नहीं सुन लेते। देखा? देखा?

143 कही भी कोई भी मादा नहीं, जो अनैतिक हो सकती हो, सिवाए स्त्री के। आप एक कुत्ते को "एक फूहड़," कहते हैं, आप सूअर को "एक—एक सूअरिया," कहते हैं, परन्तु, नैतिकता में, वे उन आधे दर्जन फिल्मी सितारों से अधिक नैतिक जो वहां है। वे नैतिकता को छोड़ और कुछ नहीं हो सकते।

144 और स्त्री ही ऐसी थी जो भ्रष्ट होने के लिए, बदली हुई थी। यह ठीक है। देखिए सुंदरता उसे कहाँ ले गई? अब, आज, हम इसलिए यह पाते हैं कि स्त्रियां सुंदरता में बढ़ रही है। आप पर्ल ब्रायन को लीजिए, कभी आपने उसका चित्र देखा है? वह अमेरिका की महान सुन्दरी समझी जाती थी। हर स्कूल की लड़की अब पर्ल ब्रायन से और भी सुंदर है जो कि कक्षा की एक—एक पिछली पंक्ति, हर स्थान पर रहेगी। क्या आप ने जाना कि यह इसी तरह से ही होना है? क्या आपको मालूम हुआ कि बाईबल कहती है इसी तरीके से यह होने जा रहा है?

145 क्या आप जानते है कि आरम्भ में पतन या गिरावट स्त्री के द्वारा आया? और पतन... अंत भी इसी प्रकार से होने जा रहा है, स्त्रियां अधिकार प्राप्त कर रही हैं और पुरुष पर आज्ञा चला रही हैं, और वगैरा-वगैरा। क्या आपको मालूम हैं कि पवित्र शास्त्र यह कहता है? आप जानते हैं, जिस दिन वह पुरुषो के कपड़े पहनती, और बाल कटवाती है, यह सारी बातें परमेश्वर के वचन के विरुध है। और आप जानते हैं कि वह कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती है? आप ध्यान दे कि स्त्रियां क्या कर रही हैं, तो आप देखेंगे कि कलीसिया क्या कर रही है। यह बिल्कुल सही है। अब, अब, यह ऐसे ही सत्य है जैसे कि परमेश्वर का वचन सत्य है।

146 कोई भी मादा ऐसी नहीं बनी जो कि स्त्री की तरह नीचे गिर सकती है। और तथापि, उसके द्वारा, उसको उसमें से निकाल कर बनाया...

147 वह मूल सृष्टि में नहीं थी। बाकी सारी मादायें मूल सृष्टि में है: चिड़ियां, नर और मादा; पशु, नर और मादा। परन्तु, मनुष्य का जीवन, परमेश्वर ने केवल मनुष्य बनाया, और उसने उसे उसमें से लिया। और स्त्री मनुष्य का उप-उत्पादन है, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसी चीज स्थापित नहीं कर सकता था। पवित्र शास्त्र में ढूढिए। यह बिल्कुल सत्य है। परमेश्वर, नहीं, श्रीमान,

उसकी मूल रचना से। वह वहां रखा गया था।

148 परन्तु यदि वह अपने को ठीक रखे, तो पुरुष से बड़ा इनाम उसके लिए है। स्त्री परखने वाली स्थिती में ही रखी गई है। उसके द्वारा मृत्यु आयी। वह सारी मृत्यु के लिए दोषी है। परन्तु परमेश्वर ने फिरकर और एक को फिर से जीवन लाने के लिए प्रयोग किया; अपने पुत्र को स्त्री द्वारा लाया, एक आज्ञाकारी। परन्तु एक बुरा जो—जो वहां सबसे खराब है; वहां और कोई भी इतना नीचा नही हो सकता।

149 कैन, शैतान का पुत्र, उसने सोचा परमेश्वर ने सुंदरता ग्रहण की है। वह आज यही करता है। कैन शैतान का पुत्र था। "ओह, अब!" आप कहते हैं। हम इसकी विस्तार विवरण में नहीं जाएंगे, परन्तु मुझे इसे आपके लिए साफ़ कर लेने दीजिए। बाईबल ने कहा है कि वह "उस दुष्ट से था।" इसलिए, इससे बात साफ़ हो हो जाती है। ठीक है। अब, वह शैतान का पुत्र था। और उसने सोचा कि, वेदी को आराधना के लिए सच में ही सुंदर बनाना है, यह वह होगा जिसका परमेश्वर सम्मान करेगा।

150 वे सोचते हैं, आज भी वही चीज सोचते हैं। निश्चय ही। यह, "हम भव्य इमारत बनाते हैं। हमारे पास बड़े संप्रदाय होंगे। हम सबसे बड़े भवन को बनायेंगे और सबसे बढिया कपड़े पहने हुए लोग, बहुत ही सुसभ्य पादरी गण।" कभी–कभी परमेश्वर इससे लाखो मील दूर होता है। यह ठीक है। तब भी, ये एक कलीसिया है।

151 इसलिए, यदि परमेश्वर आराधना, निष्कपटता, बलिदान का सम्मान करता, तो कैन भी उतना ही धार्मिक था जैसे हाबिल। परन्तु यह तो प्रकाशन के द्वारा था, कि वह समझ गया कि वह सेब नहीं था जो उसके माता–पिता ने खाया।

152 मैं यहां कुछ ऐसा कहने जा रहा हूं जो कि एक सेवक के लिए अच्छा नहीं लगता, परन्तु फिर भी, मैं कहने जा रहा हूं। मैं सुनता हूं कि और लोग ऐसी बात कहते है, इसलिए मैं... छोटे–छोटे चुटकुले कह रहा हूं, अब मेरे कहने का अर्थ ऐसा नहीं। मैं यह कहता हूं, यधपि, "यदि सेब के खाने से स्त्रियों को यह अनुभव हो जाये कि वे नंगी थी, हमारे लिए अच्छा होता कि हम उनको सेब फिर से बाँट देते।" देखा? देखा? उह–हुंह। मुझे इसके लिए क्षमा करें, परन्तु केवल इसलिए कि थोड़ा सा बदलाव सा हो जाए। मैंने आप लोगो को यहां बांध रखा है, और स्त्रियों वगैरा के विषय में बात

कर रहा हूं। मैं—मैं—मैं आपको एक मिनट का आराम देना चाहता हूं, क्योंकि आगे क्या होता है। अब, ध्यान दीजिए, आप... वह सेब नहीं था। हम यह जानते हैं।

153 इन दिनों में कलीसिया ने उपलब्धियां प्राप्त कर ली है, जैसे कि और भी सारी मनुष्य की बनाई उपलब्धियां है, यह वैज्ञानिक होता जा रहा है। वे वैज्ञानिक कलीसियाये बनाने का यत्न कर रहे हैं, चित्रों और ऊंची इमारत की चोटियों के द्वारा। और यह बहुत ही बुरा है कि पेंटीकोस्टल भी इसी लीक पर है। आप के लिए अच्छा होगा कि एक डफ के साथ, अलग कोने में हो, और परमेश्वर का आत्मा आपके चारों ओर हो। परन्तु आप बाकियों के साथ तुलना करने के यत्न लगे हुए हैं, क्योंकि आप नामधारी है। यही वह है जिससे यह हुआ है। देखा? कलीसियाये वैज्ञानिक होने का यत्न कर रही है।

154 और ध्यान रखिए, जैसे मनुष्य विज्ञान के साथ उन्नति करता है, वह अपने आप को प्रतिदिन मार रहा है। जब उसने बारूद का आविष्कार किया, देखिए उससे क्या हुआ। जब उसने मोटर गाडियों का आविष्कार किया, तो उससे बारूद से भी अधिक व्यक्ति मरे। अब उसने अपने लिए हाइड्रोजन बम बना लिया है। सोचता हूं कि वह इससे क्या करने जा रहा है? ठीक है।

155 और ऐसे ही कलीसिया, जैसे कि यह विज्ञान के द्वारा, मनुष्य द्वारा बताई गयी योजनाओं के द्वारा प्राप्त करने का यत्न करते है, यह आपको परमेश्वर से और दूर, और मृत्यु में पहले से भी अधिक, जो पहले थी, वहां ले जा रहा है। यह ठीक बात है। कलीसिया को उसी तरह मत चुनिये जैसे आपने अपनी पत्नी चुनी। देखा? विज्ञान ने जो उसके लिए किया वह चमत्कार था, परन्तु अच्छा हो कि आप ऐसी कलीसिया जो इस पर है उससे अलग रहें; उसने रंग पाऊडर, और दूसरी–दूसरी चीजें बनायी। उसके वचन के चरित्र को चुनिए।

156 अब आइए हम आज की स्वाभाविक दुल्हन से कहलानी वाली आज की कलीसिया दुल्हन से तुलना करें। एक स्त्री की तुलना कीजिये, जो आज विवाह करने जा रही है।

157 अब, जरा देखें कि विज्ञान ने उस स्त्री के लिए क्या किया है। पहले वह अपने बालो को काट कर आती है, इनमें से एक जैकलिन कैनेडी के प्रकार वाले बाल है, देखा, या कुछ इसी प्रकार के। और आप जानते हैं

कि बाईबल क्या कहती है? असल में बाईबल पुरुष को अधिकार देती है, यदि वह चाहे तो, उसे तलाक देकर छोड़ सकता है, यदि वह ऐसा करती है। “वह जो बाल काटेगी, वह एक लज्जित स्त्री है।” बाईबल ऐसा कहती है। यह ठीक बात है। क्या आपको यह मालूम है? ओह? ओह, हाँ! मैंने केलिफोर्निया में उन के लिए जो नही जानते बहुत प्रचार किया है। यह ठीक है। ओह, हाँ! नही, इससे मुझे क्या लाभ है? वह जैसे भी इसे करते हो। आप सूअर को ले कर और उसका नाम बदलकर, उसे मेमना नहीं बना सकते। ध्यान दें।

158 ध्यान दे इसके बाद आप मुझसे चिढ़ने लगेगे, परन्तु आप सत्य को जान जायेंगे। देखा?

159 देखो। आइए हम तुलना करें। यहाँ वह सब तरह के रंग पोत कर आ रही है, कुछ ऐसा जो वह है नहीं, एक आधुनिक दुल्हन। उसका चेहरा धोईये, और हो सकता है आप उसके पास से भाग जाए। उसके मुख पर से सब कुछ हटा दीजिए, डर के मारे मरने को हो जायेंगे। और इसी प्रकार कलीसिया भी सामने से धर्म विद्या से पूरी तरह रंगी हुई है, मैक्स फैक्टर। उह–हुंह। दोनों के पास एक—एक सुंदर मुखड़े, मनुष्य द्वारा बनाई सुंदरता और परमेश्वर द्वारा बनाई सुंदरता नही। किसी एक में भी कोई चरित्र नहीं है।

160 ध्यान दें, जिस तरह शैतान, धोखा देने के लिए काफी है, अब आज की आधुनिक दुल्हन की उससे तुलना कीजिए: छोटे कपड़े पहनती है, रंग लगाती है, अपने बाल काटती है, पुरुषो की सी दिखने वाली वेषभूषा पहनती है, और ऐसे पास्टर की बात सुनती है जो उससे कहता है यह सब ठीक है। वह एक धोखेबाज है। जब वह यहां से दूर दूसरे लोक में जायेगा तो दु:ख उठाएगा। यह ठीक बात है। वह यह उस स्त्री को इस बात में धोखा देने के लिए कर रहा है, जो कि वह है ही नहीं।

161 इसी प्रकार से कलीसिया करती है, बड़ी डीडी., पीएच.डी., एलएल.डी डिग्रियां लेते है। इसलिए आप कह सकते हैं, “हमारा पास्टर *यह* है, *वह* है, और *वह* है,” जो कि परमेश्वर के विषय अधिक नहीं जानता, जैसे अफ्रिका की जंगली जाति मिस्र के शूरवीर के विषय में नही जानती। यह बिल्कुल ठीक है। ठीक है। वहां कुछ लोग धार्मिक विद्यालयो की धर्म शिक्षा के अनुभव, और परमेश्वर को ना जानने को छोड़ और कुछ नहीं है।

162 आधुनिक कलीसिया और उनके धर्मशास्त्रीय रंग, हम्म, उनकी सारी स्त्रियो ने अपनी महिमा को मूंड दिया है, अपने कुछ उस रंगीले पास्टर के द्वारा जो उनके पास है, जैसे कि ईजाबेल, यदि कभी कोई ऐसी हुई थी। कटे हुए बाल, छोटे कपडे, श्रृंगार, यह सब धर्म विज्ञान स्वभाव से पक्के किए थे, इसी प्रकार से आज कलीसिया है। यह सही है। परन्तु उसका आत्मिक चरित्र जो घरेलू होती है उनसे बहुत दूर था जिनको यीशु मसीह लेने आ रहा है।

163 यदि कोई मसीही इस तरह की स्त्री से विवाह करता है, तो यह दिखाई पड़ता है कि वह अनुग्रह से गिर गया। उसकी परमेश्वर वाली पसन्द और उसकी घर बनाने की पसन्द, वह घर कैसा होना चाहिए, वह सब दूर चली गई, जब उसने इस प्रकार की स्त्री चुनी। नहीं, श्रीमान। वह एक मसीही के स्वभाव के अन्दर ठीक नहीं बैठेगी। उसका आत्मिक चरित्र घटनेवाले पानी की तरह नीचा है, धार्मिक उपाधियो की सुंदरता में और संसारिक मोह में मरे हुए है।

164 यही है बिल्कुल जहां आज कलीसिया खड़ी है, उसने वचन वाले चरित्र को, वैज्ञानिक मनुष्य द्वारा बनाए धर्म के लिए, शैतान को बेच दिया है। परमेश्वर की कलीसिया होने के नाते, जबकि उसके पास अधिकार था कि वह परमेश्वर के वचन के साथ बनी रहे, और अपने बीच में पवित्र आत्मा को काम करने देती, और देह को परमेश्वर के वचन और प्रेम से एक साथ जोड़ती जाती। बजाए इसके, उसने अपना जन्म अधिकार एसाव की नाई बेच डाला, और एक नामधारी कलीसिया को लिया, जो उसे कुछ भी करने देगा, जो भी वह चाहती है, यह सही बात है, केवल ख्याति प्राप्त करने के लिए जैसे उसकी मां ने निसिया, रोम में किया था। परमेश्वर का वचन!

165 ओह, हमारे पेंटीकोस्टल क्षेत्र में कैसे प्रवेश कर गया! यह बहुत ही बुरा है, परन्तु इसने यही किया है।

166 जरा एक मिनट के लिए ध्यान दीजिए, एक सन्यासिनी कैथोलिक कलीसिया में। वह स्त्री, सन्यासिनी बनने के लिए, और उन अंतिम पर्दे को लेने के लिए, वह उस कलीसिया के लिए बिल्कुल बिक चुकी है। वह जो (प्राण, शरीर और आत्मा) उस कलीसिया की संपत्ती है। उसका अपना कोई मन नहीं है। जब वह उस अंतिम परदे को धारण करती है, तो उसका अपना कुछ नहीं हो सकता, उसका अपना कोई विचार नहीं होता उसकी

अपनी कोई इच्छा नही होती। यहां देखिए, कि शैतान उनको अपने नकली लोग बनाता है, जैसे कि वह असली हो।

167 सच्ची मसीह कलीसिया, दुल्हन, भी इसी प्रकार अपने को उसे और उसके प्रतिज्ञा किए हुए वचन के लिए बेच देती है, जब तक कि वही मन जो मसीह में है तुम में ना हो जाए। कितनी भिन्नता है!

168 और हम पाते हैं, कि, आधुनिक कलीसिया, एक आधुनिक संसारिक कलीसिया, वह आधुनिक संसारिक कलीसिया और वह आत्मिक कलीसिया ही पुत्रों को जन्म देने के लिए गर्भवती है।

169 उनमें में से एक, एक सांप्रदायिक जन्म, दिया जाने वाला है, एक... दिन, इन... दिनों में, विश्व कलीसियाओ का संघ, जो कि संसार को नामधारी उपाधीयो के द्वारा मसीह विरोधी उत्पन्न करके देगा। यह बिल्कुल सही सच्चाई है। हो सकता है इसे देखने के लिए मैं जीवित ना रहूं। मैं विश्वास करता हूं मैं रहूंगा। परन्तु, तुम नवयुवको, याद रखना कि किसी सेवकगण को तुमने यह कहते सुना था। अंत में सब समाप्त हो जायेगा। और वही पशु की छाप होगा, जब वह विश्व कलीसियाओ का संघ बनायेगी। और वह अपने पुत्र को जन्म देगी, मसीह विरोधी।

170 दूसरा परमेश्वर के वचन के द्वारा गर्भवती है और एक देह उत्पन्न करेगी, यीशु मसीह की पूर्ण देह, जो कि दुल्हन है। मसीह की देह अभी भी पूर्ण नहीं हुई है। कितने लोग जानते हैं? एक पुरुष और स्त्री एक है। और मसीह एक देह है, वचन। दुल्हन ही को देह का बाकी भाग बनना होगा। और दो, दोनों मिलकर, फिर से एक देह बनायेंगे। जैसा कि आदम आरंभ में था: पुरुष और उसकी पत्नी एक है। अब, वह, सच्ची दुल्हन है, उसने अपने को उसे इतना बेच दिया है, कि वह अपने विचारो का प्रयोग ना करती। केवल उसके ही विचार, ये उसकी इच्छा है, और उसकी इच्छा उसका वचन है।

171 अब दुल्हन कहलाने वाली को देखिए जो मनुष्यो द्वारा चुनी गई है, और इस आत्मिक की आज की स्वाभाविक से तुलना कीजिए, एक आधुनिक ईजाबेल ने आहाब को मोहित किया है, मैक्स फैक्टर की सुन्दरताये, हर एक चीज। इसी प्रकार से कलीसिया को देखिए, परन्तु जीवित परमेश्वर के वचन के लिए एक वैश्या है; बड़े–बड़े नामधारी, बड़ी–बड़ी इमारतें, बड़ा धन, बड़े वेतन, सब बिक गए है। व्यक्ति उपदेश मंच पर खड़े होकर इसकी पुष्टी कर रहे हैं कि यह सब ठीक है, और उनके साथ मिलने दें रहे

है। केवल धोखा है, बस ऐसा ही है। यह लौदीकियन कलीसियायी काल सच में अंधा है, बिल्कुल वैसा ही जैसा कि बाईबल ने कहा है, ऐसा होगा। "कहा है कि, 'मैं धनी हूं। मैं रानी के समान बन बैठी हूं। मुझे किसी वस्तू की आवश्यकता नहीं।' और तू नहीं जानता कि तू निर्धन, तुच्छ, अन्धा, अभागा, और नंगा है: और इसे नहीं जानता।" यदि यह प्रकाशितवाक्य 3 का **यहोवा यों कहता है**, नहीं होता, तो मैं इसे कभी नहीं समझ पाता। वह यही है, और वह यह नहीं जानती! इस पर सोचे।

172 यदि आप एक पुरुष या स्त्री को जो कि सड़क पर बिल्कुल नंगे थे, और उन्हें यह बताता कि वे नंगे थे, और वे कहते, "अपना काम करो," क्यों, कही ना कहीं उनकी मानसिक दशा में कमी है। उनके मस्तिष्क में कही तो कुछ गड़बड़ हुई है।

173 और जब आप परमेश्वर के वचन को पढ़ते हैं, कि उन लोगों को किस तरह करना है, और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जो हमे आज मिला है, और, लोग, क्यों, आपकी ओर इस तरह देखते हैं जैसे कि आप पागल हो। आप उन्हें बताते हैं: "आपके पास... " उन्हें नया जन्म पाना आवश्यक है। उन्हें बाईबल पर विश्वास करना है।

174 वे कहेगे कि, "यह तो बहुत वर्षो पहले की यहूदियो की कथा है। हमारे कलीसिया के पास मार्ग है।" अभागा, तुच्छ, अंधा, नंगा, और यह जानता तक नहीं। कितना... और बाईबल ने कहा कि यही वो स्थिति है जिसमें कि वह चले जायेंगे।

एक सच्चा भविष्यवक्ता कैसे इसे देखने में चूक सकता है? मैं नहीं जानता।

175 ठीक हर जगह हमारी सारी कलीसिया इसी ओर भटकते जा रहे है। जरा इस आधुनिक प्रवृत्ति में इसकी ओर देखिए। प्रकाशितवाक्य 17 कि "वह पुरानी वैश्या और पुत्रियां," "कंगाल, अंधे, तुच्छ" लोगों को अपना धार्मिक विद्यालयो का मत–सिद्धांत दे रही है जो कि परमेश्वर के वचन के विरुद्ध है। "और वे उसमें बंधुवा प्राणों को पाते है, और हर तरफ के—के पुरुष और स्त्रियां।" बजाए इसके कि लोगों को आकर्षित करे...

176 मसीह अपने वचन को प्रमाणित करता है, जो कि लोगों को आकर्षित करता है। वह कलीसियाओ के लोगों को आकर्षित नहीं करता जो कि बड़े–बड़े नामो उपाधियो और बड़े–बड़े कामों, और बड़ी–बड़ी बेजान और

चमकदार चीजों से आकर्षित हुए है। परन्तु परमेश्वर का वचन मसीह की दुल्हन को आकर्षित करता है।

177 अब ध्यान दें। ध्यान देने के लिए यह बड़ी रोचक बात है कि—कि किस प्रकार से कलीसिया लोगों का ध्यान अपने अच्छे कपड़ो और सुसज्जित गायन मण्डली के द्वारा अपनी ओर आकर्षित करते है, और बाल कटी हुई स्त्रियां और रंगे हुए मुखड़े। और वे सोचते हैं कि... और वे स्वर्गदूतो की तरह गाते है। एक शैतान की तरह झूठे, सारी रात इस तरह से नाचने के लिए इधर-उधर भागते है, और इस बारे में कुछ नहीं सोचते। और यही है वह जो सोचते हैं कि, "सब ठीक है। यह सुंदर है।" परन्तु, आप देखिए, यह झूठी बनावट है। यह परमेश्वर का वचन नहीं है।

178 जबकि, सच्ची दुल्हन परमेश्वर का ध्यान उसके वचन का पालन करते हुए, अपनी ओर आकर्षित करती हुए। अब ध्यान दें। अब हम मसीह पर ध्यान दें।

179 आप कहते हैं, "भाई, अब, एक मिनट रुकिए, इस सुंदरता के विषय में क्या है जिसके लिए आप बात कर रहे हैं? "

180 यशायाह 53:2 में, बाईबल ने कहा, कि, जब यीशु वहां था, "उसकी कोई सुंदरता ना थी, कि हम उसको इच्छा रखते।" क्या यह ठीक है? कोई सुंदरता ना थी। यदि वह सांसारिक सुंदरता में आता, जैसे कि आज शैतान है, लोग भाग कर उसके चारों ओर घिर जाते और उसे स्वीकार कर लेते जिस तरह की वे आज कलीसिया को करते हैं। वे उसका विश्वास कर लेते, और स्वीकार कर लेते, जैसे वह आज शैतान को करते हैं। निश्चय ही, वह करते। परन्तु वह उस तरह की सुंदरता में नहीं आया, परन्तु वह सदैव चरित्र की सुंदरता में आया। वहां, मसीह कभी भी सुंदर, महान, शक्तिशाली, लम्बा चौड़ा व्यक्ति नहीं था। परमेश्वर इस प्रकार का चुनाव नही करता।

181 मुझे याद है एक बार एक भविष्यव्यक्ता राजा ठहराने को—को गया, कि यिशै के पुत्रो में से एक को राजा बनाने गया, कि वह दूसरे राजा का स्थान ले, शाऊल। और इसलिए यिशै उसे बाहर लाया, और वह लम्बा, तगड़ा, बड़ा, अच्छा लड़का था। उसने कहा कि, "मुकुट इसके सिर पर ठीक लगेगा।"

182 और भविष्यव्यक्ता उसके ऊपर तेल उंडेलने को गया। उसने कहा,

“परमेश्वर ने इसके लिए मना कर दिया।” और उसने उनमें से हर एक को मना कर दिया, जब तक कि वह उस छोटे, नीचे कंधे, गुलाबी दिखने वाले के पास नहीं आ गया। और उसने उस पर तेल उंडेल दिया, और उसने कहा, “परमेश्वर ने इसे चुना है।” देखा? हम दृष्टि के द्वारा चुनते हैं। परमेश्वर चरित्र के द्वारा चुनता है।

183 चरित्र, यीशु मसीह जैसा चरित्र कभी नहीं हुआ था। वह उसमें रहता है और उसे प्रकट करता है। हम देखते हैं यह सत्य है। यह उसकी कोई सांसारिक सुंदरता नहीं है जो कि उसकी दुल्हन को आकर्षित करता। ये उसका चरित्र है, वह कलीसिया का चरित्र है, जिसे यीशु ढूंढ़ रहा है; ना कि वह बड़े–बड़े भवन, जहां वह बड़े संप्रदाय हैं, जहां बड़ी सदस्यता है। वह इस प्रतिज्ञा के साथ मिलता है कि जहां कहीं पर दो या तीन एक साथ जमा होते हैं। सच में। जहां कि सच्चे विश्वासियो की आशायें, परमेश्वर के वचन पर स्थिर होती हुई प्रमाणित और सच्ची है, कि वह क्या है। वचन के द्वारा चुनता है, ना कि संसार को प्रेम करने वाले झुण्ड को। वे उससे घृणा करते हैं।

184 कोई आश्चर्य नहीं कि वह उससे अलग हो गयी है, क्योंकि वह उसके प्रकाशन से चूक गई, और उसके वह पास नहीं है। वह उसकी चिंता नहीं करता, जिस प्रकार का व्यवहार और कार्य करती है, और संसारिक वस्तुयें उसके पास कितनी है।

185 वह उसके चरित्र के लिए देख रहा है, मसीह का चरित्र। अब, थोड़ी से देर के लिए। जो कि यह है। वो अपनी दुल्हन को चुनता है कि अपने चरित्र को प्रतिबिंबित करें, जिसके लिए आज की आधुनिक कलीसियाये निश्चय ही उसकी—उसकी योजना को लाखो मील दूर से चूक जाती है, क्योंकि वह *इस* से इंकार करती है कि यह सत्य है। इसलिए यह कैसे हो सकता है? अब, वह उस दिन को देख रहा है जिसमे कि दुल्हन तैयार हो जाए, इब्रानियों 13:8, बिल्कुल वैसे ही जैसे यह था, जैसे वह था। उसको उसका वही मांस होना ही है, वही हड्डी, वही आत्मा, हर चीज में वही, बिल्कुल वैसा ही बनना है, और तब फिर दो, एक हो जाए। जब तक कलीसिया वही नहीं हो जाए, वे एक नहीं है। उसका चरित्र, इस युग के लिए वचन, ढलना ही चाहिए। उसको, उसकी तरह ढलना ही चाहिए।

186 अब, अन्त में, जिस कारण मैं यह कहना चाहता हूं कि जिसके लिए

मैंने यह सब बाते कही है, और मैं—मैं बंद करूंगा। उस रात, प्रात: के लगभग तीन बजे, मैं जाग गया था।

187 अब आप में से कोई भी इस बात का उत्तर दे। क्या मैंने कभी भी आप लोगो को प्रभु के नाम में कोई बात बताई हो, सिवाये जो की ठीक है? वह सदैव ही सही रहा है। इसलिए मेरी सहायता करें, परमेश्वर जानता है कि यह सत्य है। संसार में कहीं भी कोई नहीं है, कि हजारों चीजो में से जो बताई गयी, कि वह कभी भी एक भी शब्द में विफल हुआ हो। हमेशा सही सिद्ध निकली है।

188 यहां तक कि उस दिन, जब मैं फिनिक्स में था, या एक वर्ष पहले यह था, और मैंने आपको उस विषय में बताया है, उस सन्देश के समय पर—पर *श्रीमानो, यह क्या समय है?* और आप लोगो को बताया कि, "सात स्वर्गदूत वहां मिलेंगे," और सात मोहरो का खुलना होगा, और क्या। और वहां उस—उस *लाइफ* पत्रिका ने इस लेख को छापा है, यह बड़ी लपट हवा में, तीस मील ऊपर, सत्ताईस मील चौडाई में जा रही है। और उन्होंने कहा कि वे नहीं समझ सके कि वह क्या था; अभी भी नहीं जानते। और वह व्यक्ति अब भी यहां इस भवन में आज रात बैठा है, वहां मेरे साथ खड़ा था जब यह घटित हुआ, बिल्कुल वैसे ही जैसे कहा गया। उसने मुझे बातें बतायी जो कि होने वाली है, और वे बिल्कुल वैसे ही घटित हुयी। कैसे उनमें से प्रत्येक मोहर खुली, और उन भेदों को बताया जो कि सुधारकों के युगों से गुप्त रहे और आदि-आदि, बिल्कुल सिद्ध रूप से।

189 कैसे, मैं वहां पहाड़ की चोटी पर खड़े था, उनमें से तीन या चार व्यक्ति यहाँ पर अब उपस्थित खड़े है, हाँ, उससे भी अधिक। पहाड़ पर चढ़ते हुए, पवित्र आत्मा ने कहा, "उस पत्थर को उठाओ।" हम शिकार खेल रहे थे। उसने कहा, "ऊपर हवा में फेंको, और कहो, '**यहोवा यों कहता है**।'" मैंने किया। वहां से वायू का छोटा चक्रवात नीचे आया। और मैंने कहा, "चौबीस घंटों के भीतर, तुम परमेश्वर की सामर्थ देखोगे।" वह व्यक्ती, ठीक यहां अभी उपस्थित है।

190 अगले दिन, लगभग दस बजे, वहाँ खड़े हुए, मैंने कहा, "तैयार हो जाओ। वहां उस कार के नीचे घुस जाओ," एक अनुभवी व्यक्ति। मैंने कहा, "कुछ तो होने वाला है।" आकाश निर्मल था, ठीक वहां एक बड़ी पहाडी में। स्वर्ग से आग का चक्रवात उतर आया, जितनी तेज आवाज हो सकती

थी, उतनी ही तेज, दीवारों से इस प्रकार टकराया। मैं—मैं ठीक उसके नीचे खड़ा था। मैंने अपनी टोपी उतारी, और अपने सिर पकड़ लिया। और वह मेरे से तीन फुट या चार फीट ऊपर था, और उस सारी दीवार में चारों ओर इस तरह गड्ढा कर दिया, और धमाका हुआ। और वापस ऊपर हवा में चला गया, और फिर से चक्रवात में घूमने लगा, और तीन बार, नीचे आया, यहां तक कि बड़ी झाड़ियों की चोटीयां दो सौ फुट के घेरे को दूर तक काट दिया। उन लोगों को, "आमीन" कहते सुन रहे है? देखिए, यह लोग वहां थे जब यह घटित हुआ, और उसने तीन धमाके किए।

191 जब वे कारों के नीचे से निकले और वैगरा–वैगरा, और वापस आए, कहा, "यदि आप इसकी चपेट में होते, तो चिकनाई का निशान भी नहीं मिलता।"

192 मैंने कहा, "क्या यह—यह वही था। वह मुझसे बातें कर रहा था।" परमेश्वर वायू चक्रवात में होकर बोलता है। देखा? और वहां पर वही आग का खंभा था जो कि आप इस चित्र में खड़ा देख रहे है।

और जब वह ऊपर चला गया, तो उन्होंने कहा, "यह क्या है?"

मैंने कहा, "पश्चिमी तट का न्याय हो रहा है।"

193 वहां से दूसरे दिन, अलास्का लगभग डूब सा गया। देखिए? यह एक बार वहां टकराया, पहला धमाका।

194 जहां कि, आपको इसके प्रतिकात्मक रूप में, कुछ तो करना ही है। जैसे की व्यक्ति ने कटोरे में थोडा सा नमक लेकर, और पानी में डाल दिया, और कहा, "**यहोवा यों कहता है**, कि पानी मीठा हो जाये।" और दूसरा, यीशु ने पानी लिया और जग में उंडेला, और—और उसमें से दाखरस बनाया।

195 आपके पास कुछ तो होना ही चाहिए, जिससे उसे प्रतिकात्मक करे। और यह वही था, जो हवा में ऊपर चला गया और वापस आया। जिसने वह छोटा चक्रवात आरंभ किया। चौबीस घंटों के अन्दर, उसने पहाड़ को हिला दिया, जब तक कि उसने वहां चारों ओर दरार ना काट दी।

196 आदरणीय श्रीमान ब्लेयर इस समय यहां बैठे हुए, मेरी ओर देख रहे है, वह वहीं पर थे और वहां से कुछ उसके कुछ टुकड़े उठाये थे, और वगैरा–वगैरा। यहां टेरी सोथमन है, और वे लोग, और वहां खड़े हुए हैं, और बिली

पॉल। और भाई, उनमें से बहुत से यहां बैठे हुए हैं, यह लोग वहीं पर थे जब यह घटित हुआ जब यह बवंडर हुआ।

197 यह कोई काल्पनिक कथा नहीं। यही सत्य है। ऐसा क्या बाईबल के दिनों में नहीं था। जो अब है। समझे? वही परमेश्वर जिसने हमेशा मुझे यह सब दिखाया है, और बाद में वह सब बिल्कुल वैसे ही घटित हुआ। वे एक बार भी विफल नहीं हुये। अब मैं उस पर घमण्ड करता हूं।

198 कुछ सप्ताह पहले, मैं एक दर्शन में था। और मैं एक—एक ऊंचे स्थान पर खड़ा हुआ था, और मुझे कलीसिया का पूर्व दर्शन करना था। और मैंने ध्यान दिया, कि मेरे इस ओर से आ रहे है... और मैं काफी कुछ *इस* तरफ को खड़ा था, पश्चिम की ओर मुंह किए हुए। और *इस* ओर से सुन्दर स्त्रियों का झुंड आ रहा था, बहुत अच्छी वेशभूषा, पीछे की ओर अच्छी तरह बाल बनाए हुए, आस्तीने, और घुटने से नीचे की लम्बाई के स्कर्टस। और वे सब एक ही कदम ताल में थे, जैसे, "जैसे कि युद्ध के लिए आगे बढ़ते मसीही सिपाही हो यीशु के क्रूस के साथ जो आगे-आगे जा रहे हो।" और जब वे निकल गयी, मैं खड़ा रहा, और वहां कुछ था, कोई आत्मा, परमेश्वर की, और उसने कहा, "यह दुल्हन है।" और मैंने देखा, और मेरा हृदय बहुत प्रसन्न था। और वह *इस* ओर से घूम कर निकलते हुए, और घूमकर मेरे पीछे की ओर चली गयी।

199 और थोड़ी देर के बाद, जब वह *इस* तरफ पीछे आ गयी, यह कहा, "अब आधुनिक कलीसिया का पूर्व दर्शन आएगा।" और तब वहां एशिया की कलीसिया आयी। मैंने ऐसा गंदा झुंड कभी नहीं देखा है।

200 वहां भिन्न-भिन्न राष्ट्रों की दूसरी कलीसियाये आयी। वे भयानक दिखी।

201 और मैं—मैं यह कहता हूं क्योंकि मैं परमेश्वर के सामने सत्य को बताने के लिए कर्तव्य से बंधा हुआ हूं। और जब उसने कहा, "अब यह अमेरिका की कलीसिया पूर्वदर्शन में है," यदि मैंने कभी शैतानों का झुंड देखा है, तो यह वही था। वे स्त्रियां पूरी नंगी थी, और उन पर हाथी की खाल के रंग जैसी एक पुरानी राख के रंग सी दिखने वाली चीज पहना दी गई हो। और वे इसे अपने सामने की ओर पकड़े हुयी थी, जिसमें ऊपर तक कोई भाग नहीं था। और वे कुछ इस तरह की कुछ तो क्रिया को कर रही थी, कि, ये—ये नाच जो यह बच्चे बाहर यहाँ करते हैं, वह मटकना और बेहूदा चीज, और उसी तरह का संगीत बज रहा था। और जब मैंने

कुमारी अमेरीका को आते देखा, तो मैं लगभग बेहोश हो गया।

202 अब, यह **यहोवा यों कहता है**, है। यदि आप मुझ पर विश्वास करते हैं, कि मैं उसका दास हूं तो आप अब मुझ पर विश्वास करें। मैं यह बात संसार की कोई भी वस्तू पाने के लिए नहीं कहूंगा। पूरे संसार में इतना पैसा नहीं है जो कि मुझ से यह कहलवा सकता यदि यह सत्य नहीं होता।

203 और जब वह आई, तो वह सबसे घिनौनी दिखने वाली चीज थी जो मैंने कभी देखी। मैंने सोचा, "परमेश्वर, जैसा कि प्रचारकों और हम भाईयो ने आपके लिए दुल्हन लाने के लिए परिश्रम किया है और यही सबसे अच्छा काम है जो हम कर सकते हैं।" वह मटक रही थी, और अपने सामने *यह* पकड़े हुए थी, जैसे यह खुला स्कर्ट जैसी कोई चीज हो, अपने शरीर के अगले भागो के सामने इसे पकड़े हुयी थी, अपने निचले भाग के सामने, *इस* तरह, नाच रही थी और मटक रही थी जैसे ये नौजवान बच्चे यहाँ बाहर... अश्लील कार्यकर्म करते है, मटकते है। यह अमेरिका की कुमारी मसीहत थी।

204 परमेश्वर की सहायता से, मेरी सहायता करें, यही है जो यह उसके सामने इस प्रकार से दिखाई देता है। मैं तो—मैं तो... मैं आरंभ करता हूं... मैं बेहोश हो जाता। मैंने सोचा, "मैंने अपनी सारी कोशिशो, और प्रचारो, और प्रोत्साहन के लिए सोचा? " उनमें से प्रत्येक के बाल कटे हुए थे, और वे मटक रही थी और *उसे* सामने से पकड़े हुए चल रही थी। और वे वहां पास आयी, जहां मैं इस आलौकिक अस्तित्व के साथ खड़ा हुआ था। मैं उसे देख नहीं सका। मैं उसे मुझसे बातें करते सुन सका; वह ठीक मेरे पास था। लेकिन जब वे *इस* ओर मुड़े, तो उन्होंने *इसे* पकड़ लिया। और बस मटकते और हंसते और चले जा रही थी, इस तरह से अपने सामने की ओर से *इसे* ढके हुए चले जा रही थी।

205 अब, मैं उसकी उपस्थिति में वहां खड़ा हूं, और उसका दास। "और जो कुछ भी मैं अपनी ओर से पूर्ण यत्न से अच्छा से अच्छा कर सकता हूं? " मैंने सोचा, "परमेश्वर, इससे मुझे क्या लाभ हुआ? ऐसा करने से क्या लाभ हुआ? यह सारा चिल्लाना, और बिनती करना, और उत्साहित करना, और महान चिन्ह और आश्चर्यकर्म और अद्भुत कार्य जो कि आपने दिखाए। और कैसे मैं खड़ा रह कर, और घर जाता और प्रचार करने के बाद उन पर चिल्लाता और वह सब, और इस सब से मुझे क्या लाभ हुआ? और

तब मैं आपके सामने इस तरह की चीज उपस्थित करूं, आपकी दुल्हन होने के लिए? ”

206 और जब मैं वहां खड़ा हुआ, देख रहा था, वह वहां से चली गयी। और आप कल्पना कर सकते है कि उनके पीछे की ओर, कुछ भी ढका हुआ नहीं था, *उसे* वे अपने सामने पकड़े हुए थी, जैसे किसी निर्लज की तरह मटक रही थी, इस तरह से मुड़ती हुई, अपने अंगों को इस तरह से बाहर फेंकती हुई। और, वो, ओह, यह अश्लीलता थी, किस तरह से वो किए जा रही थी, उसकी देह ऐसे लचक रही थी। अब मैं...

207 आप कहते हैं, “भाई ब्रन्हम, इसका क्या अर्थ है? ” मैं नहीं जानता। मैं तो केवल आपको बता रहा हूं जो मैंने देखा।

208 और जब वह इस तरह से निकल गयी, मैंने उसे देखा। ओह, मैं तो बेहोश हुआ जा रहा था। मैंने बस मुंह घूमा लिया। मैंने सोचा, “परमेश्वर, तब तो मैं दोषी ही हुआ। वहां—वहां मुझे कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं। जैसे भी हो मुझे यह छोड़ देना चाहिए।”

209 श्रीमती कार्ल विलियम, यदि आप यहां बैठी हुई हैं, और वह स्वप्न जो आपने मुझे कुछ समय पहले बताया था, जो आपने उस रात देखा था, आपको परेशान कर रहा था, वह यही है। मेरे हाथ से स्टेरिंग ले लिया गया।

210 तब, मैंने सोचा, “मुझे—मुझे केवल जहां तक हो इसे भूल जाना चाहिए।” मैं जा चुका था।

211 तब, अचानक से, मैंने उन्हें फिर से आते सुना। और *इस* ओर आती हुई वही दुल्हन आती है जो इस ओर से *इस* ओर जाती है। यहां वह फिर से छोटी स्त्रियां आती हैं, और उनमें से प्रत्येक अपनी राष्ट्र की वेशभूषा में है, जहां से वह आयी हैं, जैसे स्विट्ज़रलैंड, जर्मनी, और इत्यादि, प्रत्येक उसी की तरह के वस्त्र पहने हुए, सबके लंबे बाल थे, बिल्कुल वैसे ही जैसे कि उन पहले वालो के थे। और वह इधर चलती हुई आ रही है। “मसीह के सिपाही, जैसे युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए।” और जब वे उस पूर्व दर्शन के स्थान से आगे बढ गयी जहां हम खड़े थे, तब एकदम से सबकी आंखे, उनकी ओर लग गई। और तब वे वापस मुड़ी, और वे चलती चली गयी।

212 और तब जैसे ही उन्होंने आकाश की ओर जाना आरम्भ किया, यह दूसरी वाली ऊपर पहाड़ के किनारे तक गयी और *इस* तरह नीचे चली गयी।

213 इन्होने सीधे ऊपर आकाश की ओर जाना आरम्भ कर दिया। और जब यह आगे बढ़ने लगी, मैंने देखा कुछ छोटी लड़कियां जो पीछे की तरफ थी, देखने में ऐसी लगी कि वे कोई विदेशी लड़कियां हैं, जैसे स्वीडन या स्विटजरलैंड, या कहीं और की थी। उन्होंने इधर उधर देखना आरंभ कर दिया, और... मैंने कहा, "ऐसा मत करो! कदम ताल से बाहर ना जाओ!" और जैसे ही मैं इस प्रकार से चिल्लाया, मैं दर्शन से बाहर आ गया, *इस* तरह से हाथ ऊपर किए खड़ा हुआ था। मैंने सोचा, "अच्छा... "

214 यही कारण है जो आज रात मेरे पास था मैंने कहा। मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। क्या देर हो चुकी है इससे पहले हम सोचे? हो सकता है, वह पहले ही बुला ली गयी और चुनी ली गयी हो, मोहर कर दी गयी हो? आप जानते है, वहां कोई एक भी अतिरिक्त नहीं होगा। क्या यह संभव है? ओह, हाँ। ओह, हाँ।

215 याद करिए उस दिन मैंने नाश्ते पर क्या कहा था। नर और मादा के प्रजनन शुक्राणु पर, वहां लाखो जीवाणु आगे जाते हैं, लाखों अंडे आगे जाते हैं। परन्तु उनमें से एक जीवित रहता है, और, जबकी, वे सब एक से होते हैं: दस लाख में एक। उनमें से प्रत्येक, अंडा एक सा होता है और एक से जीवाणु होते है। उनमें से एक जीवित रहता है। और शेष मर जाते हैं।

216 कोई नहीं बता सकता कि कौन सा अंडा होगा जो कि परिपक्व होगा, और, ओह, उसके विषय में क्या है। परमेश्वर को यह निर्णय लेना है, चाहे वह लड़का या लड़की बनने जा रहा हो, वह सुनहरे या काले बालो वाली होगी या ये जो कुछ भी होगा। परमेश्वर निर्णय लेता है। पहला वाला नही मिलता, परन्तु पहला परमेश्वर निर्धारित करता है। हो सकता है एक *इधर* से, और दूसरा... यदि आपने कभी परख नली में देखा हो, वे एक साथ आते है। मैंने यह देखा है। परमेश्वर को ही निर्णय लेना होता है। वे सारे एक जैसे होते है, परन्तु चुनाव के द्वारा। शारीरिक जन्म चुनाव के द्वारा होता है। परमेश्वर एक को दस लाख में से लेता है।

217 जब इस्राएल ने प्रतिज्ञा के देश में जाने के लिए मिस्र को छोड़ा, तो वे लगभग बीस लाख लोग थे। उनमें से प्रत्येक उसी एक बलिदान किए मेमने के तले था, या वे फिर जीवित नहीं रहते। उनमें से हर एक ने मूसा की सुनी, भविष्यवक्ता की। प्रत्येक ने अपने को लाल सागर में उसका बपतिस्मा लिया। उनमें से प्रत्येक नाचा, स्त्रियां मरियम के साथ, ऊपर

और नीचे (जब) उस समुंद्र के किनारे पर, जब परमेश्वर ने शत्रु को नष्ट किया। वे सब जो मूसा के साथ खड़े थे, और उन्होंने उसको आत्मा में गाते सुना। वे, उनमें से हर एक ने, जंगल में मन्ना खाया, जो आकाश से गिरता था। हर रात्रि, नया मन्ना, जो कि संदेश का नमूना है, हर एक ने उसमें से खाया। परन्तु, बीस लाख में से, कितने सफल हुए? दो। दस लाख में से एक।

218 आज रात समस्त संसार में पचास करोड़ मसीही है, सारे जिनमें कैथोलिक और अन्य शामिल हैं। पचास करोड़ तथा कथित विश्वासी संसार में है। यदि आज रात रैपचर होता है, तो इसका अर्थ होगा... यदि दस लाख में से ही एक की गिनती थी। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि ऐसा ही है। लेकिन यदि ऐसा था, तो अगले चौबीस घंटों में, पांच सौ व्यक्ति, गायब होंगे। आप इस विषय में कभी सुनेगे भी नही। कैसे भी यदि इतने लोग लापता भी हो जाए, तो उनके लिए सोचा तक नहीं जाएगा।

219 तो मित्रो यह हमारे लिए भी हो सकता है, जैसे यह हुआ जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला आया था। यहां तक कि चेलों ने भी कहा, "वचन क्यों कहते है, वे—वे प्रेरित या भविष्यव्यक्ता क्यों कहते हैं, यह फिर क्यों कहा जाता है कि एलिय्याह को पहले आकर और सब बातों को वापस लौटाना है?"

220 उसने कहा, "मैं तुमसे कहता हूं कि एलिय्याह तो आ चुका, और तुम उसे नहीं जान सके।"

221 इन्ही किन्ही दिनों में हम यहां बैठे छुट जायेंगे, "कि इन पीड़ाओ से पहले रैपचर का क्या हुआ?"

"वह तो हो चुका और आपको ये मालूम ही नहीं हुआ।"

222 सारी देह पर, मोहर हो चुकी है, वह अपने स्थान पर आ रही है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह इसी प्रकार है। मैं आशा करता हूं कि इस प्रकार नहीं है। परन्तु, मित्रो, जबकि हम...

223 यदि आज रात्री हमारे ह्रदय पर अनुभव हुआ है, ताकि हम अपने जीवनो को ठीक कर ले, और बातें जो हम कर चुके हैं, मैं एक सेवक भाई होने के नाते, आपको परामर्श देता हूं। और मैं उपदेश मंच से इसे पहली बार कहने जा रहा हूं। मैंने आज रात्री *इस* बात को बहुत खोल कर कहा है, इतना मैंने पहले किसी बात पर, किसी भी समय, लोगो के सामने नही कहा, क्योंकि

मुझे इन सभाओं में बहुत स्वतंत्रता मिली है। यदि आप मुझ पर विश्वास करते हैं कि मैं परमेश्वर का भविष्यव्यक्ता हूं, तो जो मैंने बताया है उसे ध्यान से सुनिए। यदि आपके ह्रदय में थोडी सी भी शंका है, तो अभी आप परमेश्वर के पास जाये। आप ऐसा करें।

224 श्रीमान, जरा एक मिनट के लिए रुकिए। अपने—अपने संप्रदायों की ओर देखिए, जिनकी आप सेवा करते रहे हैं। अपनी कलीसियाओ में देखिए। क्या यह सही परमेश्वर के वचन के साथ है? क्या आपमें सारी योग्यता है? कहते है, "मैं एक अच्छा व्यक्ति हूं।" ऐसे ही नीकुदेमुस, और बाकी लोग भी थे। वे—वे अच्छे लोग थे। देखा? इससे उसका कोई मतलब नहीं।

225 और, स्त्रियों, मैं चाहता हूं कि आप दर्पण में देखे, और देखे परमेश्वर स्त्री से क्या चाहता है कि वह करे। और परमेश्वर के दर्पण में देखे, ना ही अपने कलीसिया के दर्पण में, परमेश्वर के दर्पण में; और देखिए कि यदि आप यीशु मसीह की आत्मिक दुल्हन की योग्यता को पा सकती हैं।

226 सेवको, ऐसे ही सोचे। क्या आप दुसरो की भावना के कारण बहुत सी बातों को *यहां* अनदेखा करते हैं? यदि ऐसा नही था तो क्या आप *ऐसा* करेंगे... यदि वे आपको अपने कलीसिया से बाहर निकाल दे? मेरे प्यारे भाई, यदि आप ऐसा अनुभव करते हैं, तो मैं आपको यीशु मसीह के नाम में चेतावनी देता हूं, तो वहां से अभी निकल जाओ।

227 और, और, महिला, यदि आप एक मसीही की योग्यता को पूरा नहीं कर सकतीं, ना ही नाममात्र मसीही के रूप में, परन्तु अपने ह्रदय में, और आपका जीवन बिल्कुल परमेश्वर के द्वारा प्रमाणित विवाह के प्रमाण पत्र के समान है, यहाँ, कहते है कि यह ऐसा होना ही है...

228 और, कलीसिया के सदस्य, यदि आपकी कलीसिया परमेश्वर के वचन की योग्यता के पैमाने पर नही हैं, तो उससे बाहर निकल आओ और मसीह में मिल जाओ।

229 यह गंभीर चेतावनी है। हम नहीं जानते किस समय, और आप नहीं जानते कि किस समय, एक दिन यह नगर यहाँ इस समुद्र की तलहटी में पड़ा हो।

230 "ओह, कफरनहूम," यीशु ने कहा, "तू जो स्वर्ग तक उठाया गया, अधोलोक तक नीचा किया जाएगा। क्योंकि, यदि यह सामर्थ के काम सदोम और अमोरा में किए जाते, तो वह आज तक बने रहते।" और सदोम, और

अमोरा मृत सागर के तलहटी में पड़ा है। और कफरनहूम सागर की तलहटी में है।

231 तू नगर, जो अपने को स्वर्गदूतों के नगर होने का दावा करता है, जिसने अपने को स्वर्ग तक ऊंचा उठाया, और जिसने गंदी, फैशन की सड़ी चीजें और चीजें दी है, यहां तक कि बाहर के देश भी यहां आकर हमारी गंदगी को बटोर कर और बाहर भेजते हैं, अपने बढियां कलिसियाओ और मीनारों, और आदि–आदि, जिस तरह से तुम ऐसा करते हो। याद रखना, एक दिन तू इस समुद्र की तलहटी में पड़ा होगा, तेरा बड़ा मधुमक्खी के छत्ते का सा खोखलापन इस समय तेरे नीचे है। परमेश्वर का क्रोध तेरे नीचे धधक रहा है। कितने समय तक वह इस रेतीली पट्टी को वहा रोके रखेगा, जो उसके ऊपर लटक रही है? जब, वह समुन्द्र तेरे पास, एक मील गहरा, साल्टन सागर में पीछे की तरफ खचेडता ले जाएगा। यह पोम्पेई के अंतिम दिन से भी बदतर होगा। पश्चाताप कर, लॉस एंजिल्स।

232 बाकी के आप भी, पश्चाताप करे, और परमेश्वर की ओर फिरे। परमेश्वर के क्रोध की घडी पृथ्वी पर है। भाग निकलो, जब तक भाग निकलने का समय है, और मसीह में आ जाओ।

आइए हम प्रार्थना करें।

233 प्रिय परमेश्वर, जब, मैं अपनी आत्मा में, कांप रहा हूं, मेरे ह्रदय से चेतावनी के आंसू गिर रहे है। हे, परमेश्वर, मैंने जो इन पुरुष और स्त्रियों से जो कहा है उसे यह हंसी ठठ्ठा न समझे, इसे ग्रहण करे, और कलीसिया के लोग इस विषय में यह ना सोचे कि यह कोई पक्षपात या उनके विरोध में कुछ है। प्रभु, होने दे कि वे देख सके, कि यह प्रेम में है।

234 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, तू मेरा गवाह है, इस किनारे पर मैं वर्षो से आता रहा हूं, आपके वचन की घोषणा कर रहा हूं। ओह परमेश्वर, मेरी गवाही रखना, यदि आज रात्री यह घटित हो जाता है, कि मैंने सत्य को बताया है। तू जानता हैं कि दुल्हन का यह दर्शन सत्य है। मैंने इसके ही द्वारा आपका नाम लिया है, प्रभु, और यह कहा था कि **यह यहोवा यों कहता है** है। और मैं यह अनुभव करता हूं कि मैं चेतन अवस्था में हूं, प्रभु, कि मैं क्या कर रहा हूं।

235 इसलिए प्रभु मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं, कि लोग अपने आप को आज रात्री झकझोरे, और उस आने वाले क्रोध से भागे, क्योंकि ईकाबोद

का नाम द्वारों और राष्ट्रों के ऊपर लिखा हुआ है।। और एक काला कट्टम का चिन्ह इसके उपर है। परमेश्वर का आत्मा इससे बहुत शोकित हुआ है, और यह लोग तराजू में तौले गए और हल्के पाए गए। नबूकदनेस्सर राजा का उत्सव फिर से दोहराया गया, पीने वाली दावतो और आधे कपड़े पहने औरतो के साथ, जो अपने को मसीह कहलाते हैं।

236 हे स्वर्ग के परमेश्वर, इस पापी संसार और पापी लोग पर प्रभु दया कर, जैसे कि हम आज रात्री हैं। परमेश्वर, मैं इस बिचवाई में खड़े होने का प्रयत्न कर रहा हूं और दिव्य दया के अनुग्रह को मांगता हूं, कि आप आज रात्री इस सभा से बात करेंगे और अपनी दुल्हन का ध्यान आकर्षित करेंगे, प्रभु, किसी मत के चिन्ह द्वारा आगे बढ़ने के लिए नहीं, परन्तु प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की आवाज के द्वारा। हे परमेश्वर, इसे प्रदान कीजिए। आज रात्री उन्हें यह मालूम पड़ जाये कि तू ही परमेश्वर है, और तेरा वचन सत्य है। जबकि, इन लोगों के सामने, गंभीरता से, हम इनका ध्यान तेरे वचन की ओर खींचते हैं।

237 प्रभु, मैं यह प्रार्थना यीशु मसीह के नाम में, इनके लिए करता हूं। इन्होंने आपको इस भीड़ में बिना किसी शंका के आपको चलते देखा है, और उनके हृदय में क्या है उन्हें बताया है। और इस समय, प्रभु, क्या हो रहा है तू जानता हैं। तू जानता है कि यह सत्य है, हे परमेश्वर। और मैं तुझसे यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं, होने दे कि पवित्र आत्मा फिर से बिचवाई करे, प्रभु, और प्रभु उन लोगो को इस सभा में से खीच ले, जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे हैं। परमेश्वर, इसे प्रदान करे। मैं पूरे हृदय से प्रार्थना करता हूं।

238 स्वाभाविक रूप में यह लोग, प्रभु, इस संदेश को समर्थन देने में अपना अंतिम पैसा भी दे देंगे। वे कुछ भी करेंगे जो वह कर सकते है। परन्तु, हे परमेश्वर, जब इसके साथ व्यवहार करने की बात आती है, और इसमें आने की बात आती है, मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि यह आज की रात हो कि आप उनको पुरस्कृत करेंगे और इस कन्वेंशन में अपनी पवित्र आत्मा को उंडेलिए। और होने दे कि कोई खेल–तमाशा या कूदना–फांदना यहां ना हो, परन्तु एक विलाप करना, रोना, और एक पश्चाताप करना हो, जबकि आज रात्री हम देख रहे है कि न्याय हमारे नीचे गरज रहा है तो हम वेदी के सींगो को पकड़े रहे। परमेश्वर, इसे प्रदान करें। मैं उतनी ही

ईमानदारी से प्रार्थना करता हूं जितना मैं जानता हूं कि कैसे करना है, यीशु मसीह के नाम में।

239 मेरे भाईयों, बहनो, मैं—मैं नहीं जानता कि और अधिक क्या कहना है, यदि परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा मैंने आपकी दृष्टि में अनुग्रह पाया है, यदि आप मुझ पर उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करते हैं। यह सार्वजनिक रूप में पहली बार है कि मैंने यह कभी कहा हो। परन्तु मैं एक अजीब सी चेतावनी की अनुभूति अनुभव करता हूं। मैं इसी पर निर्भर नहीं हूं। आप जानते हैं कि मैं नहीं हूं। मैं इस तरह की प्रतिक्रिया नहीं करता। मैं यह संदेश बोलने से और उन बातों को कहने के लिए हिचकिचाया। मैं ऐसा करने से बचने के लिए इधर–उधर होता रहा और इसे करने से बचता रहा। परन्तु यह कहा जा चुका है, और यह न्याय के दिन सामने होगा, एक गवाह के रूप में कि मैंने सत्य बताया। यह **यहोवा परमेश्वर यों कहता है,** है!... ? ...

240 ओह, पेंटेकोस्ट, अपने जीवन के लिए भागो। वेदी के सींगों के ओर भागो और रो, इससे पहले की बहुत देर हो जाए, क्योंकि समय आएगा जब आप रो सकते है और उससे कोई लाभ न होगा। क्योंकि ऐसाव ने अपने जन्म के अधिकार के स्थान को पाना चाहा, और नहीं पा सका। ओह, कैलिफोर्निया, मैं तुम से वचनबद्ध हूं। ओह, फुल गोस्पल बिजनेस मेन का कन्वेंशन, जिनको मैं प्रेम करता हूं, जिसे मैं छोड़ चुका हूं और जिनको मैंने अपने हृदय से बांध रखा है, मैं आज रात्री आपको यीशु मसीह को सौपता हूं। उसकी ओर दौड़ो! शैतान तुम्हे इसके लिए कभी भी सुस्त ना करने पाए। इसी के साथ बने रहिए जब तक कि आप में से, प्रत्येक, पवित्र आत्मा से ना भर जाए, यहां तक कि, आपको इस वचन तक ना ले आए, तब वह आपको सही सुव्यवस्थित स्त्री बनाएगा, यह आपको साफ सुव्यवस्थित पुरुष बनाएगा। यदि आप कहते हैं कि आपमें पवित्र आत्मा है, और वचन का सामना नहीं करते, तो आप में यह दूसरी आत्मा है। परमेश्वर का आत्मा उसके वचन पर है, वह मसीहा, अभिषिक्त वचन। दुल्हन को बिल्कुल मसीही होना चाहिए, अभिषिक्त वचन।

241 आइए हम प्रभु यीशु मसीह के नाम में अपने पैरों पर खड़े हों जाए। यदि आप मेरी आवाज को फिर ना सुने... यदि, प्रभु ने चाहा तो, मैं कुछ घंटों में अफ्रीका जा रहा हूं। हो सकता है मैं कभी वापस ना आऊं। मैं नहीं जानता।

परन्तु मैंने, आपको पूरे ह्रदय से सत्य को बता दिया है। मैंने आपसे कोई भी बात नही छिपायी, जो परमेश्वर ने आप लोगो को बताने के लिए मुझ से कहा। और मैंने यह प्रभु के नाम से कहा है।

242 यह पवित्र क्षण है। मैं नहीं जानता कि इसे कैसे व्यक्त किया जाए। मैंने तीन या चार बार उपदेश मंच को छोड़ना चाहा, और मैं यह नहीं कर सकता। यह पवित्र घड़ी है। आप इसे कभी ना भूलें। हो सकता है, यही समय हो कि परमेश्वर अपनी अंतिम बुलाहट कर रहा हो। मैं नहीं जानता। किसी दिन वह अंतिम बार बुलाएगा। कब? मैं नहीं जानता। परन्तु मैं आपको दर्शन के अनुसार बता रहा हूं, ये ऐसा लगता है कि दुल्हन अब समाप्त होने पर है।

243 देखिए जो नाम की कलीसियाये है वह अन्दर आ रहे है। जब सोयी हुई कुंवारी तेल के लिए आयी, तो उसे तेल नही मिला। दुल्हन अंदर चली गयी। वह उठा लिए गए। "जब वे तेल लेने गयी, दूल्हा आ पहुंचा।"

244 क्या आप नींद में हैं? जल्द उठो, और अपने आपे में आओ। और हम में से प्रत्येक इस तरह प्रार्थना करें, जैसे कि हम इसी मिनट प्रभु के नाम में मर रहे थे। आइए, हम में से प्रत्येक, अपने ढंग से प्रार्थना करें।

245 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हम पर दया कर। प्रभु, मुझ पर दया कर। हम सब पर दया कर। इससे क्या लाभ होता है, कि हम क्या करते है कोई मतलब नहीं, यदि हम इन चीजों में असफल हैं? हे परमेश्वर, इससे पहले यह बड़ा नगर सागर में डूब जाए मैं खड़ा होकर अनुग्रह मांगता हूं, और परमेश्वर का न्याय इस किनारे को साफ करता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि, परमेश्वर, आप अपनी दुल्हन को बुला लेगे। मैं इनको यीशु मसीह के नाम में, आपको सौंपता हूं। आमीन। आमीन... ?... मैंने सचाई बताई... ?...

65-0429E एक दुल्हन का चुना जाना
बिल्टमोर होटल
लोस एंजलिस, कैलिफोर्निया यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org